मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 63
शुक्रवार, 11 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

2035 तक अपना स्पेस स्टेशन, 2040 तक चंद्रमा पर भारतीयः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज गुरुवार, 10 सितंबर को पेरिस में इंटरनेशनल स्पेस समिट को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित किया।

पीएम मोदी ने कहा, 'भारत अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ स्पेस डोमेन का समर्थन करता है। स्पेस की संभावनाएं असीमित हैं और हमारी जिम्मेदारी सामूहिक है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पेस में भारत की उपलब्धियों के बारे में बात करते हुए कहा, 'चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बना दिया है। आदित्य छ1 सूरज के रहस्यों को उजागर कर रहा है।' पीएम मोदी ने कहा, 'इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (क्रफ्ड) की टेक्नोलॉजी और पार्टनरशिप न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के काम आती हैं। इस वैश्विक भरोसे के पीछे भारतीय वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और टेक्नीशियनों की कई पीढ़ियों का समर्पण और कड़ी मेहनत है। दिन-रात काम करके उन्होंने क्रफ्ड की प्रतिष्ठा बनाई है।'

प्रधानमंत्री ने स्पेस में भारत के भविष्य को लेकर कहा, 'पिछले साल, एक भारतीय ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन का दौरा किया। आगे देखते हुए, हमारा लक्ष्य 2035 तक एक भारतीय स्पेस स्टेशन स्थापित करना और 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजना है।'

पीएम ने आगे कहा, 'इन सभी प्रयासों में, हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत स्पष्ट रहा है। इनके लाभ पूरी मानवता तक पहुंचने चाहिए। क्रफ्ड के साथ-

साथ, भारत का निजी अंतरिक्ष क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उद्यम की ऊर्जा क्रफ्ड की उत्कृष्टता के साथ जुड़ रही है।'

प्रधानमंत्री ने इंटरनेशनल स्पेस समिट को संबोधित करते हुए कहा, 'हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित सुरक्षित और टिकाऊ स्पेस डोमेन का समर्थन करते हैं। वैज्ञानिक डेटा का इस्तेमाल खुलेपन और ईमानदारी के साथ एक साझा लक्ष्य के लिए किया जाना चाहिए। भारत की स्पेस यात्रा इसी सोच को दशार्ती है।'

पीएम मोदी ने कहा, हम फ्रांस और अन्य देशों से भारत के अगली पीढ़ी के स्पेस रिसर्च में सह-यात्री बनने का भी आग्रह करते हैं।'

पीएम ने आगे कहा, '1960 के दशक में थुम्बा में भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरूआत के समय से ही फ्रांस एक भरोसेमंद साझेदार रहा है। आज, हमारा सहयोग पृथ्वी अवलोकन और उन्नत तकनीकों तक फैला हुआ है, जो वैज्ञानिक उत्कृष्टता को मानवीय उद्देश्य के साथ जोड़ता है।'

प्रधानमंत्री ने कहा, हम फ्रांस और दुनिया को भारत के अगले अंतरिक्ष अभियान में सह-यात्री बनने के लिए आमंत्रित करते हैं। पेरिस में हो रहा यह स्पेस समिट एक स्पष्ट संदेश दे। हम मिलकर खोज करेंगे, मिलकर नवाचार करेंगे और पूरी मानवता तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए अंतरिक्ष की रक्षा करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने CJP विरोध मामले में 14 साल की लड़की को डराने-धमकाने के आरोपों पर गंभीरता से संज्ञान लिया

नई दिल्ली, 10 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को CJP विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ी 14 साल की लड़की को डराने-धमकाने और उसके घर पर कथित तौर पर पत्थर फेंके जाने के आरोपों पर गंभीरता से संज्ञान लिया। कोर्ट ने कहा कि आपराधिक कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए किसी नाबालिग या उसके परिवार को डराने-धमकाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने कहा कि नाबालिग को धमकी देने के आरोपों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा कि आपराधिक कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए किसी पीड़ित या उसके परिवार को डराने-धमकाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। CJI ने आरोपों पर गंभीरता से संज्ञान लेते हुए कहा, अगर कोई असामाजिक तत्व हैं जिन्होंने किसी बच्चे के खिलाफ हिंसा की है, और वे आजाद घूम रहे हैं और

बच्चे को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं, तो यह एक गंभीर बात हो सकती है। यह मामला जायज है। इस पर कोई दो राय नहीं हो सकती। यह मामला छात्र विरोध प्रदर्शन केस की सुनवाई के दौरान तब उठा, जब वकील ने बेंच का ध्यान एक वीडियो की ओर दिलाया। इस वीडियो में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर CJP विरोध प्रदर्शन के दौरान लड़की के पिता पर हमले की ज़िम्मेदारी ली थी। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश और दिल्ली से FIR, लड़की और उसके परिवार की सुरक्षा व्यवस्था, और हमले व डराने-धमकाने के आरोपियों के खिलाफ उठाए गए कदमों के बारे में स्टेटस रिपोर्ट मांगी। बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से यह सुनिश्चित करने को भी कहा कि FIR पर तेजी से कार्रवाई हो और नाबालिग लड़की व उसके परिवार को पर्याप्त सुरक्षा दी जाए। कोर्ट ने कहा कि सुरक्षा के उपाय किए जा सकते हैं और स्थानीय पुलिस इस घटना को एक अलग मामले के तौर पर देख सकती है। CJI ने सॉलिसिटर जनरल से कहा, बच्चा तो बच्चा ही होता है। बच्चे की सुरक्षा के लिए कुछ उपाय किए जा सकते हैं। स्थानीय पुलिस इस घटना को एक अलग मामले के तौर पर ले सकती है।सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि उन्हें बच्चे की सोशल मीडिया पोस्ट से इस मामले की जानकारी थी। इस बीच, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया कि ग्रेटर नोएडा के एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट को सस्पेंड कर दिया गया है।

चीन की बंदरगाह पर मालवाहक जहाज बना आग का गोला, 20 सवारों की मौत और 5 लापता

चीन। चीन के किंगदाओ बंदरगाह पर मुरम्मत के लिए खड़े एक मालवाहक जहाज में गुरुवार को अचानक भीषण आग लग गई। हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जबकि 5 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। चीनी सरकारी मीडिया के मुताबिक, हादसे के समय जहाज पर कुल 42 लोग मौजूद थे। हादसे में 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पांच घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की ओर से जारी तस्वीर में आग की चपेट में आए जहाज की पहचान ह्यओशन मेलोडी के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक जहाज चीन के उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित प्रमुख बंदरगाह शहर किंगदाओ में बेहाई शिपबिल्डिंग

कंपनी के परिसर में मरम्मत के लिए खड़ा था। यह कंपनी चीन की सरकारी चाइना स्टेट शिपबिल्डिंग कॉरपोरेशन का हिस्सा है। जहाज लाइबेरिया के झंडे के तहत पंजीकृत बताया गया है। आग लगने के समय जहाज पर 42 लोग मौजूद थे। बचाव अभियान के दौरान 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पांच अन्य लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों के अनुसार उनकी हालत फिलहाल स्थिर है। इसके बावजूद पांच लोग अभी भी लापता हैं और उनकी तलाश जारी है। रिपोर्टों के अनुसार जहाज में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11 बजे आग लगी। दमकल और बचाव दल ने कई घंटे तक आग पर काबू पाने की कोशिश की और करीब दोपहर 2:30 बजे आग बुझाई जा सकी। घटना के वीडियो में जहाज पर मौजूद कर्मचारियों को आग बुझाने की कोशिश करते देखा गया। हादसे की गंभीरता को देखते हुए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने लापता लोगों की तलाश और बचाव अभियान तेज करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ली च्यांग ने भी जहाज में फंसे लोगों को बचाने और राहत अभियान को प्राथमिकता देने को कहा।

दलीप ट्रॉफी 2026: ईशान किशन की अगुआई में ईस्ट जोन की टीम बनी चैंपियन, पहली पारी में बढ़त के आधार पर जीता खिताब

चेन्नई, 10 सितम्बर। दलीप ट्रॉफी 2026 में ईशान किशन की ईस्ट जोन टीम ने इतिहास रचते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। चेन्नई के चेपॉक में खेले गए फाइनल में ईशान किशन की कप्तानी वाली टीम ने पहली पारी में मिली 372 रन की बढ़त के आधार पर ट्रॉफी जीत ली। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन बनाए थे, जिसके जवाब में साउथ जोन की टीम 336 रन पर सिमट गई थी। इसके बाद ईस्ट जोन ने दूसरी पारी में 388/7 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी। मैच ड्रॉ पर खत्म हुआ पर पहली पारी में बढ़त के आधार पर ईस्ट जोन की टीम चैंपियन बन गई।

ईस्ट जोन ने पिछली बार 2012-13 में दलीप ट्रॉफी का खिताब जीता था। यानी टीम को दोबारा चैंपियन बनने के लिए 13 साल का इंतजार करना पड़ा। यह ईस्ट जोन का कुल तीसरा दलीप ट्रॉफी खिताब है। इस बार और 2012-13 से पहले टीम ने 2011-12 में भी खिताब जीता था। यानी लगातार तब दो खिताब जीते थे। उन दोनों सीजन में टीम के कप्तान नटराज बेहेरा रहे थे। ईशान ईस्ट जोन को ट्रॉफी दिलाने वाले दूसरे कप्तान हैं। ईशान किशन को उनकी 270 रन और 80 रन की पारी के लिए प्लेयर ऑफ द फाइनल चुना गया। वहीं, साउथ जोन के कप्तान तिलक वर्मा को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

ईस्ट जोन की इस खिताबी जीत के सबसे बड़े नायक कप्तान ईशान किशन रहे। उन्होंने फाइनल में बल्ले से ऐसा प्रदर्शन किया, जिसने मुकाबले की तस्वीर ही बदल दी।

पहली पारी में ईशान ने 334 गेंदों पर 270 रन की शानदार पारी खेली। उनकी पारी में 30 चौके और सात छक्के शामिल रहे। वह दलीप ट्रॉफी फाइनल में दोहरा शतक लगाने वाले केवल सातवें बल्लेबाज बने।

ईशान यहीं नहीं रुके। दूसरी पारी में भी उन्होंने 98 गेंदों पर 80 रन बनाए। इस तरह फाइनल में उनके बल्ले से कुल 350 रन निकले। पहली पारी में 270 रन बनाने के दौरान ईशान करीब 522 मिनट तक क्रीज पर रहे और 250 रन पूरा करने के बाद ऐंठन के कारण रिटायर्ड हर्ट हुए थे। हालांकि, वह दोबारा मैदान पर लौटे और 270 रन बनाकर ही पवेलियन गए।

ईशान के 270 और कुमार कुशाग्र के 101 रन की बदौलत ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह दलीप ट्रॉफी फाइनल के इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टीम स्कोर रहा। साउथ जोन के लिए कप्तान तिलक वर्मा ने 99 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन पूरी टीम 336 रन पर सिमट गई। इस तरह ईस्ट जोन को पहली पारी में 372 रन की बड़ी बढ़त हासिल हुई।

दूसरी पारी में भी ईस्ट जोन ने बल्लेबाजी जारी रखी और 388/7 पर पारी घोषित कर दी। इस दौरान ईस्ट जोन की कुल बढ़त 760 रन तक पहुंच गई। साउथ जोन के सामने मैच जीतने के लिए असंभव सा लक्ष्य था और पहली पारी में मिली बढ़त के कारण ईस्ट जोन का खिताब पहले ही तय हो चुका था।

'हाई कोर्ट से केस ट्रांसफर नहीं करेंगे', सत्य निकेतन हादसे पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया रुख

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि वह दिल्ली हाई कोर्ट में चल रहे सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को अपने पास ट्रांसफर नहीं कर रहा है क्योंकि कार्रवाई शुरू हो गई है।

जस्टिस अहसानद्दीन अमानुल्लाह और आर. महादेवन की बेंच ने कहा कि वे मौजूदा स्थिति में कोई बदलाव नहीं करना चाहते और हाई कोर्ट थोड़े-थोड़े समय के अंतराल पर अपने निदेर्शों के पालन की निगरानी करता रहेगा। दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में लड़कों के लिए पेइंग गेस्ट सुविधा वाली पांच मंजिला इमारत रविवार दोपहर करीब 1.30 बजे गिर गई थी, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और 12 लोग घायल हो गए। इस मामले में एमिकस क्यूरी के तौर पर नियुक्त सीनियर वकील अजीत सिन्हा ने बताया कि उन्हें अपने सूत्रों और मीडिया रिपोर्टों से पता चला है कि सिविक अथॉरिटीज ने अनधिकृत निर्माण और पीजी आवासों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है और चार मंजिला से ऊंची इमारतों को गिराया जा रहा है। दिल्ली सरकार और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की और से पेश सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने भी बेंच से आग्रह किया कि वे हाई कोर्ट से केस ट्रांसफर न करें क्योंकि सिविक अथॉरिटीज अब ज्यादा फोकस के साथ काम कर रही हैं।

बेंच ने एमिकस क्यूरी और एसजी के सुझाव को मान लिया और कहा कि केस ट्रांसफर नहीं कर रही है और अनधिकृत निर्माण के खिलाफ उसके पहले के निदेर्शों का पालन किया जाएगा। 8 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि अगर जरूरत पड़ी तो वह केस ट्रंसफर कर सकता है।

युवा नौकरी तलाशने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें : नितिन नवीन

हल्द्वानी, 10 सितम्बर। उत्तराखंड के लिए पलायन को एक गंभीर चुनौती बताते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने बृहस्पतिवार को युवाओं से कहा कि वे केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनने की दिशा में आगे बढ़ें। अपने दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन नवीन ने यहां युवाओं से संवाद किया और उत्तराखंड के विकास तथा भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की। नवीन ने युवाओं से अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और कौशल का सकारात्मक उपयोग करते हुए राज्य को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के सामने पलायन एक गंभीर चुनौती है तथा रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में बड़ी संख्या में युवाओं का राज्य से बाहर जाना चिंता का विषय है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पलायन रोकने के लिए केवल सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करना होगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता और स्थानीय संसाधनों पर आधारित रोजगार को बढ़ावा देना जरूरी है। नवीन ने कहा कि युवा केवल नौकरी पाने की सोच तक सीमित न रहें, बल्कि अपनी क्षमता और कौशल के आधार पर रोजगार देने वाले बनने की दिशा में भी आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप, स्वरोजगार और स्थानीय स्तर पर उद्यमिता के माध्यम से युवा न केवल अपने लिए अवसर पैदा कर सकते हैं, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध करा सकते हैं। नवीन ने कहा कि किसी भी प्रदेश की प्रगति में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। उत्तराखंड का भविष्य यहां के युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और नवाचार से तय होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं की आकांक्षाओं और जरूरतों को नीतियों तथा विकास योजनाओं से जोड़ना जरूरी है।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
बिल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

-ललित गर्ग

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकोनॉमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां डी-डॉलराइजेशन का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल पश्चिम के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति शृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले सभी मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा।

बहुजन राजनीति का असमंजस और बीएसपी का आंतरिक संकट

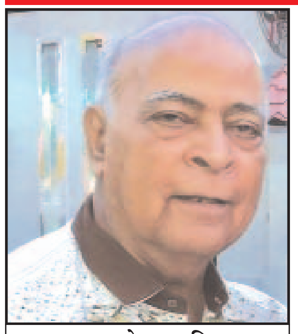

अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश की राजनीति में सामाजिक न्याय और वंचितों की आवाज बनकर उभरी बहुजन समाज पार्टी आज अपने इतिहास के सबसे कठिन दौर से गुजर रही है। कभी सूबे की सत्ता पर पूर्ण बहुमत से राज करने वाली और देश की तीसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा रखने वाली बीएसपी इस समय केवल चुनावी मोर्चों पर ही नहीं, बल्कि अपने सांगठनिक ढांचे के भीतर भी एक गंभीर अंतर्विरोध से जूझ रही है। पार्टी सुप्रीमो मायावती द्वारा हाल ही में लखनऊ की राष्ट्रीय बैठक में लिए गए फैसले–विशेषकर अपने भतीजे और घोषित उत्तराधिकारी आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाना और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ पर कार्रवाई करना–इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि हाथी के कुनबे में सब कुछ ठीक नहीं है। यह घटनाक्रम केवल एक परिवार के भीतर का कलह नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक दल के वैचारिक भटकाव और सांगठनिक ठहराव को दर्शाता है जिसने कभी 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' के नारे के साथ देश की सत्ता संरचना को चुनौती दी थी। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीएसपी के भीतर मची यह उथल-पुथल पार्टी के भविष्य और दलित राजनीति की दिशा पर कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

इस संकट के केंद्र में आकाश आनंद को लेकर लिया गया 'यू-टर्न' और सांगठनिक नेतृत्व का संकट है। मायावती ने आकाश आनंद को 'राजनीतिक रूप से अपरिपक्व' बताते हुए उन्हें बड़ी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया। यह पहली बार नहीं है जब आकाश आनंद को प्रमोट करने के बाद अचानक पीछे धकेला गया हो। पिछले कुछ वर्षों में यह सिलसिला लगातार देखने को मिला है, जिससे पार्टी कैडर और समर्थकों के बीच नेतृत्व को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। किसी भी राजनीतिक दल के लिए उसका उत्तराधिकारी उसकी भविष्य की दिशा तय करता है, लेकिन बीएसपी में उत्तराधिकार का यह खेल एक अस्थिर चक्रव्यूह बन गया है। आकाश आनंद ने अपनी रैलियों और बयानों के जरिए पार्टी में एक नया जोश फूंकने और युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया था, लेकिन उनके आक्रामक तेवरों को पार्टी के भीतर ही एक खतरे के रूप में देखा गया या फिर उसे अपरिपक्वता का नाम दे दिया गया। इस फैसले के बाद आकाश आनंद द्वारा अपने सोशल मीडिया बायो को 'बीएसपी कार्यकर्ता' से बदलकर 'बीएसपी समर्थक' करना इस बात की तस्दीक करता है कि शीर्ष नेतृत्व और नई पीढ़ी के बीच वैचारिक पटरी पूरी तरह बैठ नहीं पा रही है।

इस पूरे विवाद का एक दूसरा और अधिक चिंताजनक पहलू पारिवारिक गुटबाजी और महत्वाकांक्षाओं का टकराव है। मायावती ने सार्वजनिक रूप से आकाश आनंद के ससुर और पार्टी के वरिष्ठ नेता अशोक सिद्धार्थ पर आरोप लगाया कि वे आकाश के साथ मिलकर ऐसी गतिविधियों में लिप्त थे जिससे पार्टी के मूवमेंट को नुकसान पहुंच रहा था। राजनीति में परिवारों का प्रभाव कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीएसपी जैसी कैडर-बेस्ड पार्टी में जब फैसले नीतिगत चर्चाओं के बजाय पारिवारिक वफादारियों और संदेहों के आधार पर होने लगें, तो वह पार्टी के पतन की गति को तेज कर देता है। मायावती द्वारा रखी गई यह शर्त कि यदि अशोक सिद्धार्थ राजनीति से पूरी तरह संन्यास ले लेते हैं, तभी आकाश आनंद की वापसी पर विचार किया जाएगा, यह दर्शाती है कि पार्टी के भीतर फैसले अब लोकतांत्रिक या सांगठनिक मानदंडों पर नहीं, बल्कि व्यक्तिगत शर्तों पर हो रहे हैं। इस आंतरिक खींचतान के बीच आकाश के छोटे भाई ईशान आनंद को अचानक बैठकों में प्रमुखता देना इस बात का प्रमाण है कि बीएसपी का नेतृत्व संकट गहराता जा रहा है और पार्टी एक व्यक्ति केंद्रित व्यवस्था से निकलकर पारिवारिक उलझनों में फंस गई है।

इस सांगठनिक उथल-पुथल का सबसे बड़ा नुकसान बीएसपी के उस जमीनी कैडर को हो रहा है जो पार्टी की असली ताकत रहा है। मान्यवर कांशीराम ने जिस 'कैडर कैंप' संस्कृति के जरिए दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को एक राजनीतिक ताकत के रूप में एकजुट किया था, वह संस्कृति आज बीएसपी में लगभग लुप्त हो चुकी है। जब शीर्ष स्तर पर लगातार 'नंबर दो' के नेताओं को हटाया जाता है, या बाहरी नेताओं को लाकर अचानक महत्वपूर्ण पदों पर बैठा दिया जाता है, तो दशकों से जमीन पर काम कर रहे वफादार कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटता है। आज बीएसपी का जमीनी कार्यकर्ता दिशाहीन महसूस कर रहा है। उसे समझ नहीं आ रहा कि पार्टी की चुनावी रणनीति क्या है और भविष्य का नेता कौन है। बार-बार नीति और नेतृत्व में बदलाव के कारण जो राजनीतिक विश्वसनीयता प्रभावित होती है, उसका सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ता है। 2022 के विधानसभा चुनाव और हालिया लोकसभा चुनावों में बीएसपी का गिरता वोट बैंक और सीटों का शून्य हो जाना इसी सांगठनिक शिथिलता और कार्यकताओं के बिखराव का नतीजा है।

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

बीएसपी के इस आंतरिक संकट का एक और गंभीर आयाम यह है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में अब शून्य के लिए कोई जगह नहीं है। जिस समय बीएसपी अपने घरेलू विवादों को सुलझाने में व्यस्त है, उसी समय दलित राजनीति के क्षितिज पर नए विकल्प तेजी से उभर रहे हैं। चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) आज दलित युवाओं के बीच एक नई उम्मीद बनकर उभरी है। चंद्रशेखर का आक्रामक अंदाज, जमीन पर उतरकर संघर्ष करने की शैली और युवाओं से सीधा जुड़ाव बीएसपी के उस पारंपरिक वोट बैंक को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है जो कभी मायावती का सबसे मजबूत किला हुआ करता था। दूसरी ओर, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन 'संविधान बचाओ' और 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे के साथ बीएसपी के पारंपरिक सामाजिक समीकरण में बड़ी सेंध लगा चुका है। ऐसी स्थिति में, यदि बीएसपी अपने आंतरिक अंतर्विरोधों से बाहर नहीं निकलती है, तो वह उत्तर प्रदेश की त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय राजनीति में पूरी तरह हाशिए पर चली जाएगी।

इसके अतिरिक्त, बीएसपी के पारंपरिक सामाजिक समीकरण (दलित-मुस्लिम-पिछड़ा) में विपक्षी दलों ने बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक की है। समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन 'संविधान बचाओ' और 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के आक्रामक नैरेटिव के साथ बीएसपी के उस किले को ढहा चुका है जिसे ढहाना कभी नामुमकिन माना जाता था। बीएसपी का मतदाता आज यह महसूस कर रहा है कि उसकी अपनी पार्टी सत्ता की मुख्य लड़ाई से बाहर हो चुकी है, जिसके कारण वह भाजपा को रोकने या अपनी आवाज उठाने के लिए अन्य मजबूत विकल्पों की ओर रुख कर रहा है।

बहुजन समाज पार्टी का वर्तमान संकट केवल सांगठनिक फेरबदल का नहीं, बल्कि उसके अस्तित्व की अंतिम लड़ाई का है। मायावती को यह स्वीकार करना होगा कि समकालीन राजनीति केवल प्रेस नोट जारी करने या सोशल मीडिया पर बयान देने से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए नेताओं को धूप में तपना होगा और कार्यकर्ताओं के भीतर यह विश्वास जगाना होगा कि पार्टी उनके हितों के लिए किसी भी हद तक संघर्ष कर सकती है। यदि बीएसपी को 2027 के महासमर में खुद को एक प्रासंगिक विकल्प के रूप में बनाए रखना है, तो उसे पारिवारिक कलह और तानाशाही सांगठनिक रवैये से ऊपर उठकर अपने मूल 'बहुजन आंदोलन' की वैचारिक जमीन पर लौटना होगा। समय तेजी से रेत की तरह फिसल रहा है, और यदि बीएसपी नेतृत्व ने इस आंतरिक अंतर्विरोध को तुरंत समाप्त कर जमीन पर ध्यान केंद्रित नहीं किया, तो कांशीराम के अथक संघर्षों से उपजी यह ऐतिहासिक पार्टी भारतीय राजनीति के इतिहास में केवल एक गौरवशाली अध्याय बनकर रह जाएगी।

देखा जाय तो बहुजन समाज पार्टी का वर्तमान संकट केवल नेतृत्व परिवर्तन या किसी एक नेता को पद से हटाने का मामला नहीं है, बल्कि यह पार्टी के अस्तित्व की लड़ाई है। मायावती को यह समझना होगा कि आधुनिक राजनीति केवल सोशल मीडिया पोस्ट, बंद कमरों की बैठकों और प्रेस बयानों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए जमीन पर उतरना होगा, कार्यकताओं के भीतर विश्वास जगाना होगा और एक स्थिर व पारदर्शी नेतृत्व की रूपरेखा तैयार करनी होगी। यदि बीएसपी को 2027 में खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित करना है, तो उसे पारिवारिक विवादों से ऊपर उठकर अपने मूल 'बहुजन मूवमेंट' की ओर लौटना होगा। आकाश आनंद या ईशान आनंद को केवल पदों के खेल में उलझाने के बजाय पार्टी को एक मजबूत, लोकतांत्रिक और सामूहिक नेतृत्व की ओर बढ़ना चाहिए। समय तेजी से निकल रहा है, और यदि बीएसपी नेतृत्व ने इस आंतरिक कलह को तुरंत शांत कर जमीन पर ध्यान केंद्रित नहीं किया, तो कांशीराम के संघर्षों से खड़ी हुई यह ऐतिहासिक पार्टी भारतीय राजनीति के पन्नों में एक गौरवशाली अतीत बनकर रह जाएगी।

हरतालिका तीज : जब पार्वती के संकल्प से शिव को झुकना पड़ा

-सुरेश गांधी

कभी-कभी कोई पर्व कैलेंडर की तारीख से कहीं बड़ा हो जाता है। वह पीढ़ियों की स्मृति, लोकजीवन की धड़कन और मनुष्य के भीतर बसे विश्वास का उत्सव बन जाता है। हरतालिका तीज ऐसा ही पर्व है। भाद्रपद शुक्ल तृतीया को मनाया जाने वाला यह व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के उस मिलन की स्मृति है, जिसके पीछे प्रेम से अधिक संकल्प, प्रतीक्षा से अधिक तप और इच्छा से अधिक आत्मविश्वास की कथा है। यही कारण है कि सदियों से सुहागिन महिलाएं दांपत्य सुख, सौभाग्य और पति की दीघार्यु की कामना से तथा अविवाहित कन्याएं मनोनुकूल जीवनसाथी की कामना से इस व्रत को श्रद्धापूर्वक करती आ रही हैं। इस बार हरतालिका तीज सोमवार, 14 सितंबर को पड़ेगी। सोमवार स्वयं शिव आराधना के लिए विशेष माना जाता है। इसके साथ शुक्ल तृतीया का संयोग इस पर्व के धार्मिक महत्व को और उभारता है। देश के पंचांगों में भी 14 सितंबर को हरतालिका तीज की तिथि एकमत रूप से दी गई है।

हरतालिका तीज के केंद्र में शिव और पार्वती हैं, लेकिन इसका संदेश हर दांपत्य और हर परिवार तक जाता है। विवाह केवल दो लोगों का सामाजिक बंधन नहीं; यह दो व्यक्तित्वों, दो परिवारों और दो जीवन-दृष्टियों के साथ आने की प्रक्रिया है। इसमें प्रेम जरूरी है, लेकिन प्रेम से अधिक जरूरी है सम्मान। साथ जरूरी है, लेकिन साथ से अधिक जरूरी है संवाद। और जीवन की कठिनाइयों में सबसे बड़ी शक्ति है–एक-दूसरे पर विश्वास। पार्वती का तप इसी विश्वास का प्रतीक है। तीज के दिन हाथों में रची मेहंदी केवल रंग नहीं होती। वह आने वाले सुखों की कामना है। चूड़ियों की खनक केवल श्रृंगार नहीं, उत्सव की ध्वनि है। सिंदूर केवल एक रेखा नहीं, दांपत्य की सामाजिक और भावनात्मक पहचान है। और शिव-पार्वती की प्रतिमा के सामने झुका सिर केवल पूजा नहीं–अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का संकल्प भी है। इसीलिए हरतालिका तीज हर वर्ष आती है, लेकिन हर बार कोई नया अर्थ दे जाती है। हरतालिका तीज की सबसे बड़ी शक्ति उसके अनुष्ठान में नहीं, उसकी कथा में है। एक राजकुमारी ने अपनी इच्छा को पहचाना। उस इच्छा को संकल्प बनाया। संकल्प को तप में बदला। तप को साधना बनाया। और साधना के बाद शिव को पाया। यही इस पर्व की अमर गाथा है।

विशेष मुहूर्त

वाराणसी के स्थानीय पंचांग गणना के अनुसार 14 सितंबर को सूर्योदय लगभग 5:43 बजे होगा और उस समय शुक्ल तृतीया विद्यमान रहेगी। तृतीया लगभग सुबह 7:07-7:08 बजे तक रहेगी। इस आधार पर तीज के प्रातःकालीन पूजन का महत्वपूर्ण समय सूर्योदय के बाद तृतीया समाप्त होने तक का रहेगा। पंचांग गणना में चित्रा नक्षत्र लगभग दोपहर 1:54 बजे तक और उसके बाद स्वाती नक्षत्र रहेगा। ब्रह्म योग लगभग दोपहर 12:44 बजे तक रहेगा, फिर इन्द्र योग प्रारंभ होगा। करण में प्रातः तक गरज और उसके बाद वणिज का क्रम रहेगा। अलग-अलग नगरों में सूर्योदय और स्थानीय गणना बदलने के कारण पूजा के समय में कुछ मिनट का अंतर स्वाभाविक है। इसलिए व्रती महिलाएं अपने क्षेत्रीय पंचांग अथवा पारिवारिक पुरोहित की परंपरा को अंतिम मानें। पर्व : हरतालिका तीज. तारीख : 14 सितंबर, सोमवार. तिथि : भाद्रपद शुक्ल तृतीया. तृतीया आरंभ : 13 सितंबर सुबह लगभग 7:08 बजे. तृतीया समाप्त : 14 सितंबर सुबह लगभग 7:07 बजे. नक्षत्र : चित्रा से स्वाती. योग : ब्रह्म से इन्द्र. करण : गरज से वणिज. सूर्योदय, वाराणसी : लगभग 5:43 बजे. राहुकाल : लगभग 7:16 से 8:48 बजे.

पार्वती की तपस्या, हरतालिका की जन्मकथा

हरतालिका की कथा भारतीय धार्मिक परंपरा में स्त्री-संकल्प की सबसे प्रभावशाली कथाओं में गिनी जाती है। पौराणिक आख्यान के अनुसार हिमालय की पुत्री पार्वती भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करना चाहती थीं। उनके पिता हिमवान के समक्ष जब उनके विवाह के लिए दूसरे प्रस्ताव की बात आई तो पार्वती का मन व्याकुल हो उठा। वह शिव को ही अपना आराध्य और भावी पति मान चुकी थीं। पार्वती की सखी उन्हें अपने साथ एकांत वन में ले गईं, ताकि उनका विवाह उनकी इच्छा के विरुद्ध न हो। वन में पार्वती ने कठोर तपस्या की। उन्होंने मिट्टी अथवा बालू से शिवलिंग बनाया और शिव की आराधना में स्वयं को समर्पित कर दिया। उनकी साधना, निष्ठा और तप से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और पत्नी रूप में स्वीकार किया। इसीलिए हरतालिका नाम की व्याख्या हर अर्थात हरण या साथ ले जाना और आलिका अर्थात सखी के संदर्भ में की जाती है। कथा का भाव यह है कि सखी पार्वती को अपने साथ ले गईं ताकि वह अपनी इच्छा के अनुसार शिव की साधना कर सकें।

14 सितंबर की सुबह जब तीज का सूरज उगेगा, घर-घर पूजा की थालियां सजेंगी, मेहंदी की खुशबू उठेगी, मंदिरों में घंटियां बजेंगी और शिव-पार्वती के नाम का स्मरण होगा। तब यह पर्व एक बार फिर कहेगा– सच्चा प्रेम अधिकार नहीं मांगता, विश्वास मांगता है। सच्चा संबंध बंधन नहीं बनता, सहारा बनता है। और सच्चा संकल्प परिस्थितियों से नहीं डरता। हरतालिका तीज इसी अटूट विश्वास की पूजा है। यह सुहाग का उत्सव है, लेकिन उससे भी बढ़कर संकल्प का पर्व है। यह श्रृंगार की चमक है, लेकिन उससे भी गहरी आत्मशक्ति की रोशनी है। यह शिव-पार्वती के विवाह की कथा है, लेकिन उसके भीतर जीवनसाथी के प्रति सम्मान और साथ निभाने की सनातन सीख छिपी है। और शायद इसीलिए हजारों वर्षों बाद भी हरतालिका तीज की कथा पुरानी नहीं हुई– क्योंकि प्रेम बदल सकता है, समय बदल सकता है, जीवन की परिस्थितियां बदल सकती हैं; लेकिन

यह केवल पति की लंबी आयु का व्रत नहीं

हरतालिका तीज को अक्सर केवल पति की दीघार्यु के व्रत के रूप में देखा जाता है। यह इसकी व्यापक सांस्कृतिक व्याख्या का केवल एक हिस्सा है। पार्वती की कथा में सबसे महत्वपूर्ण बात उनका स्वतंत्र संकल्प है। उन्होंने अपने जीवनसाथी को लेकर अपनी इच्छा स्पष्ट की और उसे पाने के लिए कठिन साधना का मार्ग चुना। इस अर्थ में हरतालिका तीज भारतीय परंपरा में स्त्री की इच्छा, दृढ़ता और आत्मनिर्णय की एक प्राचीन कथा भी है। आज की महिला अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेती है। वह परिवार और पेशे दोनों की जिम्मेदारी संभालती है। ऐसे समय में तीज की परंपरा उसके लिए केवल पति की लंबी उम्र की प्रार्थना नहीं, बल्कि अपने जीवन, संबंधों और परिवार में प्रेम, सम्मान और संतुलन की कामना भी बन गई है।

सोमवार और तृतीया : शिव आराधना का भावपूर्ण संगम

इस वर्ष तीज का सोमवार को पड़ना विशेष आकर्षण का केंद्र है। सोमवार को भगवान शिव का दिन माना जाता है। चंद्रमा से जुड़े इस वार का संबंध मन और भावनाओं से भी जोड़ा जाता है। शिव के मस्तक पर चंद्रमा विराजमान हैं, इसलिए शिवोपासना में सोमवार का विशेष स्थान रहा है। दूसरी ओर तृतीया देवी-उपासना और पार्वती से संबंधित इस पर्व की मूल तिथि है। इस प्रकार सोमवार का शिव-तत्व और तृतीया का पार्वती-तत्व एक ही दिन पर केंद्रित दिखाई देता है। धार्मिक दृष्टि से यही इस वर्ष के पर्व का सबसे सुंदर प्रतीकात्मक संयोग है।

सोलह श्रृंगार : स्त्री-सौंदर्य से आगे की कहानी

तीज के दिन सोलह श्रृंगार की परंपरा पूरे देश में अलग-अलग रूपों में दिखाई देती है। हरे और लाल परिधानों से लेकर मेहंदी, चूड़ी, सिंदूर, बिंदी, पायल और आभूषण तक–हर चीज का अपना सांस्कृतिक अर्थ है। हरा रंग वर्षा ऋतु की हरियाली, नवजीवन और प्रकृति की उर्वरता से जुड़ता है। मेहंदी उत्सव और सौभाग्य का लोकप्रतीक बनती है। सिंदूर दांपत्य का प्रतीक माना जाता है। लेकिन इन सबके पीछे एक और बात है–स्त्री

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बारूद के खेल से मानवीय संवेदना सर्वनाश की ओर

संजीव ठाकुर

दुनिया आज विज्ञान, तकनीक और आधुनिक सभ्यता के जिस शिखर पर खड़ी दिखाई देती है, उसी समय उसके सामने युद्ध, हिंसा और विनाश का एक ऐसा अंधकार भी खड़ा है, जो पूरी मानव सभ्यता के भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रहा है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल तीन देशों के बीच शक्ति-संघर्ष या राजनीतिक वर्चस्व का प्रश्न नहीं रह गया है। इसके प्रभाव ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, कूटनीतिक संबंधों और सबसे बढ़कर मानवीय संवेदना को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। महत्वाकांक्षा, सामरिक वर्चस्व और विस्तारवादी सोच जब संवाद की जगह बारूद को चुनती है, तब युद्ध की आग केवल सीमाओं के भीतर नहीं रहती, बल्कि उसकी तपिश पूरी दुनिया महसूस करती है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि आखिर मानवता बार-बार उसी रास्ते पर क्यों लौटती है, जिसका अंतिम पड़ाव विनाश ही रहा है?

युद्ध का सबसे भयावह पक्ष यह है कि उसके निर्णय कुछ शक्तिशाली लोग लेते हैं, लेकिन उसकी कीमत सामान्य मनुष्य चुकाता है। सत्ता के गलियारों में लिए गए फैसलों का असर किसी दूर गांव में रहने वाले किसान पर पड़ता है, किसी शहर में काम करने वाले मजदूर पर पड़ता है, किसी मां की गोद में पल रहे बच्चे पर पड़ता है और उस सैनिक के परिवार पर पड़ता है, जो सीमा पर अपनी जान गंवा देता है। युद्ध में गिरने वाला हर सैनिक केवल एक संख्या नहीं होता; वह किसी मां का बेटा, किसी पत्नी का जीवनसाथी, किसी बच्चे का पिता और किसी परिवार का भविष्य होता है। बम जब किसी इमारत को गिराता है तो केवल ईंट-पत्थर नहीं गिरते, उनके साथ स्मृतियां, रिश्ते, सपने और जीवन की छोटी-छोटी उम्मीदें भी मलबे में दब जाती हैं।

महात्मा गांधी ने अहिंसा को मानवता का सबसे बड़ा अस्त्र माना था। उनके विचार का सार यही था कि हिंसा का उत्तर हिंसा देने से हिंसा समाप्त नहीं होती, बल्कि उसका विस्तार होता है। उनसे जोड़ा जाने वाला प्रसिद्ध कथन–ह्आँख के बदले आँख पूरी दुनिया को अंधा बना देगीह्व–आज के परमाणु और मिसाइल युग में और भी अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। यदि प्रत्येक राष्ट्र अपने अपमान का बदला अधिक बड़ी शक्ति से लेने लगे, तो यह प्रतिस्पर्धा कहां जाकर रुकेगी? एक मिसाइल के जवाब में दूसरी मिसाइल, एक हमले के जवाब में और बड़ा हमला और फिर उसके जवाब में उससे भी व्यापक प्रतिशोध–यह सिलसिला अंततः किसे विजय देगा? शायद किसी को नहीं। केवल कब्रिस्तान बढ़ेंगे, शहर उजड़ेंगे और मनुष्य की संवेदना घायल होगी।

गौतम बुद्ध ने भी मानव जीवन में करुणा, मैत्री और शांति को सर्वोच्च स्थान दिया। उनका संदेश था कि घृणा से घृणा समाप्त नहीं होती, प्रेम और करुणा से ही उसका अंत संभव है। यह केवल आध्यात्मिक शिक्षा नहीं, बल्कि आज की अंतरराष्ट्रीय राजनीति के लिए भी एक गंभीर संदेश है। राष्ट्रों के बीच मतभेद होना स्वाभाविक है। सुरक्षा, सीमाएं, संसाधन, राजनीतिक हित और राष्ट्रीय स्वाभिमान जैसे प्रश्न जटिल हो सकते हैं, लेकिन जटिलता का अर्थ यह नहीं कि उनका समाधान केवल युद्ध ही है। जब संवाद के दरवाजे बंद होते हैं, तब हथियार बोलने लगते हैं और जब हथियार बोलते हैं, तब सबसे पहले मनुष्य की आवाज दबती है।

आज का युद्ध बीसवीं सदी के युद्धों से कहीं अधिक खतरनाक है। अब युद्ध केवल बंदूक, टैंक और मिसाइल तक सीमित नहीं है। ड्रोन, साइबर हमले, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालित हथियार, उपग्रह तकनीक और परमाणु शक्ति ने युद्ध की प्रकृति को पूरी तरह बदल दिया है। जिस कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष अनुसंधान और मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए किया जा सकता है, वही तकनीक यदि विनाशकारी सैन्य उद्देश्यों में इस्तेमाल होने लगे तो उसके परिणामों की कल्पना करना भी भयावह है। विज्ञान स्वयं दोषी नहीं है; प्रश्न उसके उपयोग का है। वैज्ञानिक उपलब्धियां मानव जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए हैं या उसे समाप्त करने के लिए–यह निर्णय मनुष्य को ही करना है।

अल्बर्ट आइंस्टीन की वह प्रसिद्ध चेतावनी आज भी मानवता को झकझोरती है कि उन्हें नहीं मालूम तीसरा विश्व युद्ध किन हथियारों से लड़ा जाएगा, लेकिन चौथा विश्व युद्ध पत्थरों और लाठियों से लड़ा जाएगा। इस कथन के पीछे छिपी आशंका परमाणु युद्ध के संभावित परिणामों की ओर संकेत करती है। यदि परमाणु शक्ति का इस्तेमाल व्यापक युद्ध में हुआ तो विजेता और पराजित का अंतर भी शायद अर्थहीन हो जाएगा। युद्ध समाप्त होने के बाद भी विकिरण, प्रदूषण, बीमारी, विस्थापन और पीढ़ियों तक चलने वाली पीड़ा मनुष्य का पीछा कर सकती है। इसलिए परमाणु शक्ति का वास्तविक विवेकपूर्ण उपयोग युद्ध जीतना नहीं, युद्ध को रोकना होना चाहिए। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था कि अंधकार अंधकार को समाप्त नहीं कर सकता, केवल प्रकाश ही उसे दूर कर सकता है। यही बात राष्ट्रों के बीच संबंधों पर भी लागू होती है। हिंसा से हिंसा को समाप्त करने की कोशिश वैसी ही है जैसे आग बुझाने के लिए आग का इस्तेमाल करना। युद्ध कुछ समय के लिए किसी पक्ष को सामरिक बढ़त दे सकता है, लेकिन स्थायी शांति नहीं दे सकता। स्थायी शांति के लिए संवाद, विश्वास, समझौता और पारस्परिक सम्मान आवश्यक हैं। इतिहास इस बात का साक्षी है कि अनेक कठिन संघर्ष अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त हुए हैं।

Namo4ViksitBharat के तहत सात दिवसीय महासफाई अभियान

मुंबई। प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारीयों के तहत वडोदरा में 1 से 7 सितंबर, 2026 के दौरान #Namo4ViksitBharat के तहत पूरे शहर में आयोजित सात दिवसीय महासफाई अभियान का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस अभियान के दौरान स्वच्छता, नागरिक जिम्मेदारी और नागरिकों की भागीदारी का पूरे सप्ताह उत्सव देखने को मिला। इस अभियान में नागरिकों, नागरिक प्रशासन, विद्यार्थियों, गैर-सरकारी संगठन और जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर वडोदरा को अधिक स्वच्छ और जिम्मेदार शहर बनाने की सामूहिक प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अभियान के तहत टेक्नोलॉजी कॉलेज (बदामडी बाग) से सुरसागर तक विशाल स्वच्छता पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा के माध्यम से स्वच्छता और नागरिकों की सक्रिय भागीदारी का संदेश और मजबूत किया गया। पदयात्रा में नागरिकों, गैर-सरकारी संगठन, स्कूली विद्यार्थियों, वीएमसी के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित लगभग 2,500 लोगों ने भाग लिया। पदयात्रा में गुजरात के उपमुख्यमंत्री श्री हर्षभाई संघवी, महापौर श्रीमती गीताबेन मकवाणा, सांसद श्री हेमांगभाई जोशी और मुख्य सचेतक श्री बालकृष्ण शुक्ल शामिल हुए। विधायक श्री केयूरभाई रोकडिया, म्युनिसिपल कमिश्नर श्री अरुण महेश बाबू (आईएएस), उपमहापौर श्री आदित्य पटेल, स्टैंडिंग कमिटि की अध्यक्ष श्रीमती वषार्बेन व्यास सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों ने भी इस अभियान में भाग लिया। स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी के संदेश वाले प्लेकार्ड हाथों में लेकर प्रतिभागियों ने पदयात्रा को स्वच्छता, शहर के प्रति गौरव और सामूहिक जिम्मेदारी का एक सशक्त जनअभियान बना दिया। इस पदयात्रा ने यह भी दिखाया कि शहर को स्वच्छ रखने में नागरिक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। सात दिनों तक चले इस अभियान का 7 सितंबर को सुरसागर झील पर विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वच्छताग्रहीनुं समर्पण, शिवजीने अर्पण के साथ समापन हुआ। नमो फॉर विकसित भारत पदयात्रा के बाद आयोजित इस समारोह के तहत प्रसिद्ध गायक कैलाश खेर ने लाइव प्रस्तुति दी, जिसका लगभग 7,000 लोगों ने आनंद लिया। इस अवसर पर वडोदरा को स्वच्छ रखने और समुदाय में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले स्वच्छता दूतों के कार्यों की भी सराहना की गई। स्वच्छ शहर के निर्माण में व्यक्तिगत और सामूहिक प्रयासों की शक्ति को स्वीकार करते हुए उनके योगदान का सम्मान किया गया। समारोह में आध्यात्मिकता का भी समावेश किया गया। माननीय उपमुख्यमंत्री, सांसदों, विधायकों, महापौर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में सुरसागर झील पर विशेष आरती की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता, सामुदायिक भागीदारी, संस्कृति और आध्यात्मिकता के संदेश को एक साथ प्रस्तुत किया गया और सप्ताहभर चले अभियान का यादगार समापन हुआ। महासफाई अभियान की सफल पूणार्हुति के साथ-साथ पदयात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रम में बडी संख्या में नागरिकों की भागीदारी ने स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी के प्रति वडोदरा की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित किया। साथ ही, इस अभियान के माध्यम से शहर के विकास में नागरिकों की अगुवाई में सक्रिय भागीदारी का एक मजबूत संदेश भी दिया गया।

भिवंडी में विद्युत के कारण 11 सितंबर को सात घंटे नही होगी जलापूर्ति

भिवंडी। महावितरण द्वारा 100 केवी पड़घा, अंबरनाथ विद्युत वाहिनी पर टॉवर निर्माण एवं उसकी ऊंचाई बढ़ाने का काम किए जाने के कारण 11 सितंबर को सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक शहाड स्थित स्टेम कंपनी के कच्चे पानी के पंपिंग केंद्र की बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। डोंबिवली के विद्युत संचालन एवं रखरखाव विभाग के अंतर्गत स्थान क्रमांक 33ए पर नए टॉवर का निर्माण तथा वीएमई-एनएचएआई के काम के लिए मौजूदा टॉवर की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। इसके चलते कच्चे पानी की पंपिंग बंद रहेगी। परिणाम स्वरूप स्टेम कंपनी की ओर से भिवंडी-निजामपुर, ठाणे और मीरा-भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रों सहित ग्रामीण भागों में होने वाली जलापूर्ति सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रहेगी। मनपा प्रशासन ने भिवंडी महानगरपालिका क्षेत्र के नागरिकों से जलापूर्ति बंद रहने की जानकारी ध्यान में रखते हुए आवश्यक पानी का भंडारण करने तथा प्रशासन के साथ सहयोग करने की अपील की है।

जव्हार में पहली बार फास्टैक ट्रेनिंग का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। उद्योग संचालनालय, महाराष्ट्र शासन के अंतर्गत कार्यरत महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र (एम.सी.ई.डी.), पालघर की ओर से फूड सेक्टर से जुड़े उद्यमियों एवं भावी उद्यमियों के लिए जव्हार में पहली बार FoSTaC (Food Safety Training and Certification) के तहत महत्वपूर्ण एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण शनिवार 19 सितंबर 2026 को आयोजित होगा। प्रशिक्षण के दौरान खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित विभिन्न कानूनों एवं नियमों की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। साथ ही खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग एवं वितरण की प्रक्रिया, खाद्य संचालन एवं नियोजन, व्यक्तिगत व्यवहार एवं स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा तथा इससे जुड़े संभावित जोखिमों के बारे में FoSTaC से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षक द्वारा मार्गदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उपलब्ध विभिन्न ऋण एवं अनुदान योजनाओं की जानकारी भी दी जायेगी। यह प्रशिक्षण 19 सितंबर को सुबह 11.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक साक्षी कंप्यूटर सेंटर, जव्हार, तहसील जव्हार, जिला पालघर में आयोजित किया जायेगा। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से जुड़े अथवा इस क्षेत्र में व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक उद्यमी एवं भावी उद्यमी प्रशिक्षण में सहभागी होने के लिए 18 सितंबर 2026 तक पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण एवं अधिक जानकारी के लिए एम.सी.ई.डी. पालघर के प्रकल्प अधिकारी डी.सी. थोरात (मो. 9168667163), साक्षी कंप्यूटर सेंटर के संचालक श्याम शिंदे (मो. 8600567094) अथवा प्रशिक्षण समन्वयक मेघना वैराल (मो. 8668973270) से संपर्क करने की अपील की गई है। एम.सी.ई.डी. मुंबई के विभागीय अधिकारी डी.यू. थावरे ने फूड सेक्टर से जुड़े अधिक से अधिक उद्यमियों एवं इच्छुक युवाओं से इस प्रशिक्षण का लाभ उठाने का आहवान किया है।

महाराष्ट्र में 10000 छात्रों ने बनाई मिट्टी की गणेश मूर्तियां, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कहा कि मूर्तियों के आकार की तुलना में भक्ति और पर्यावरण संरक्षण अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने जोर दिया कि जिम्मेदारी से त्योहार मनाना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। वाशी स्थित सिडको प्रदर्शनी और सम्मेलन केंद्र में आयोजित पर्यावरण अनुकूल महा गणेश मूर्ति कार्यशाला 2026 में मुख्यमंत्री ने कहा कि मानव जीवन के अस्तित्व के लिए प्राकृतिक तत्वों की रक्षा करना बेहद जरूरी है। भगवान गणेश को बुद्धि का प्रतीक बताते हुए उन्होंने नागरिकों से जल प्रदूषण रोकने के लिए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) और रासायनिक रंगों का उपयोग नहीं करने का आग्रह किया।

कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी उठायेगा प्रशासन

- सुपोषण साथी पालघर अभियान का शुभारंभ
- पहले चरण में 65 गंभीर कुपोषित बच्चों को लिया जायेगा गोद

पालघर(उत्तरशक्ति)। कुपोषण के खिलाफ लड़ाई को अधिक संवेदनशील और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पालघर जिला प्रशासन की ओर से सुपोषण साथी पालघर अभिनव अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला परिषद, पालघर एवं केंद्रीय संचार ब्यूरो, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के अवसर पर दो दिवसीय जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने की। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे तथा केंद्रीय संचार ब्यूरो, पुणे की क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी शिल्पा नीलकंठ पोफले प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं। जिलाधिकारी डॉ. जाखड ने कहा कि माता और बच्चे सुरक्षित एवं स्वस्थ होंगे, तभी विकसित और समृद्ध महाराष्ट्र का निर्माण संभव है। माता-बाल स्वास्थ्य एवं पोषण विकास के एजेंडे का केंद्रबिंदु है। शासन के विभिन्न अभियानों को जनभागीदारी का सहयोग मिलना आवश्यक है। उन्होंने गर्भवती महिलाओं और बच्चों के आहार पर विशेष ध्यान देने तथा समय पर पर्याप्त पौष्टिक आहार लेने के संबंध में जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कम वजन के साथ-साथ अधिक वजन की समस्या भी कुपोषण के व्यापक स्वरूप का हिस्सा है और दोनों चुनौतियों को गंभीरता से देखने की जरूरत है। चिकित्सा कारणों से वजन संबंधी समस्या होने पर उचित उपचार जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही हम क्या खाते हैं, कितना खाते हैं और किस समय खाते हैं, इस बारे में भी जागरूक होना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने पोषण संबंधी स्टॉल सहित विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण कर महिलाओं से संवाद किया और उनके आहार, पोषण जागरूकता तथा माता-बाल स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली।

सुपोषण साथी पालघर अभियान का पहला चरण 15 सितंबर 2026 से 15 मार्च 2027 तक चलाया जाएगा। इस चरण में जिले के 65 SAM (गंभीर तीव्र कुपोषित) बच्चों को अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा गोद लेकर उनके स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार के लिए विशेष उपाय किये जायेंगे। इसके अगले चरण में जिले के 734 टअट (मध्यम तीव्र कुपोषित) बच्चों पर भी तहसील एवं ग्राम स्तर के अधिकारी-कर्मचारियों के माध्यम से विशेष ध्यान केंद्रित किया जायेगा। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने अधिकारी-कर्मचारियों से संवेदनशीलता के साथ अभियान में सहभागी बनने तथा कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण के लिए निरंतर प्रयास करने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन, आंगनवाड़ी व्यवस्था और समाज के समन्वय से कुपोषण मुक्त पालघर की दिशा में यह अभियान महत्वपूर्ण साबित होगा। अभियान के तहत गोद लिए गए प्रत्येक बच्चे के लिए स्वतंत्र स्वास्थ्य कार्ड तैयार किया जायेगा। इसके माध्यम से बच्चे के स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति की नियमित समीक्षा की जायेगी।

संबंधित अधिकारी-कर्मचारी बच्चों के घर जाकर उनके टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, वजन एवं शारीरिक वृद्धि, पौष्टिक आहार तथा आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता पर लगातार निगरानी रखेंगे। कुपोषण की गंभीरता को देखते हुए जरूरतमंद बच्चों को श्उऊळ/ठफछ में भर्ती कराने तथा उन्हें प्रोटीनयुक्त अतिरिक्त आहार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

कल्याण की सामाजिक संस्था ने किया कृपाशंकर सिंह का सम्मान

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मां झिनका फाउंडेशन, म्हारलगांव, कल्याण के संस्थापक अध्यक्ष दिनेश हरिलाल अग्रहरि ने आज अपनी संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महाराष्ट्र के पूर्व गृह राज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह से बांद्रा पश्चिम स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने अनेक सामाजिक विषयों पर कृपाशंकर से चर्चा की तथा संस्था की तरफ से अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष महेश किशोरीलाल यादव,अतुल यादव समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। कृपाशंकर सिंह ने सम्मान के लिए संस्था के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रकट की।

पालघर में राष्ट्रीय स्तर पर अभियंता दिवस कार्यक्रम आज

सेंट जॉन कॉलेज में प्रोजेक्ट प्रदर्शनी व पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। सेंट जॉन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, पालघर के इंजीनियरिंग भवन स्थित तीसरी मंजिल के मुख्य सभागृह में शुक्रवार 11 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे राष्ट्रीय स्तर के विशेष कार्यक्रम नेशनल लेवल इंजीनियर्स डे-2026 का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के विद्यार्थी सहभागी होंगे। कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षणों में प्रोजेक्ट प्रदर्शनी तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता शामिल हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को विभिन्न तकनीकों, इंजीनियरिंग और नवाचार के माध्यम से सतत भविष्य के निर्माण तथा समाजोपयोगी नये उत्पाद और समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्मार्ट इंजीनियरिंग तकनीक के माध्यम से भविष्य में स्थिरता, नवीनता एवं सांख्यिकीय स्वरूप में रचना के प्रति जागरूकता एवं रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। संस्था की ओर से विद्यार्थियों की प्रतिभा को मंच प्रदान करने तथा इंजीनियरिंग क्षेत्र में नये विचारों को प्रोत्साहन देने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्था की ओर से सभी विद्यार्थियों, शैक्षणिक संस्थानों, औद्योगिक संस्थानों तथा विशेष अधिकारियों को कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए आमंत्रित किया गया है। शैक्षणिक संस्थानों से अपने विद्यार्थियों को इस कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए प्रोत्साहित करने का भी आहवान किया गया है। संस्था ने सभी आमंत्रितों से निर्धारित समय पर कार्यक्रम में उपस्थित रहकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है।

खाद्य प्रशासन की सख्ती का असर, भिवंडी में मिठाइयों का रंग पड़ा फीका

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। गणेशोत्सव और आगामी त्योहारों के मद्देनजर मिठाइयों की बढ़ती मांग के बीच खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने खाद्य पदार्थों में नियमबाह्य एवं प्रतिबंधित कृत्रिम रंगों के इस्तेमाल को लेकर सख्ती के निर्देश दिए हैं। इसका असर भिवंडी के मिठाई बाजार में भी दिखाई देने लगा है। कार्रवाई की संभावना को देखते हुए कई मिठाई विक्रेताओं ने अत्यधिक कृत्रिम रंगों का इस्तेमाल कम कर दिया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंढे के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रशासन ने मिठाई विक्रेताओं से केवल नियमानुसार अनुमति प्राप्त खाद्य रंगों का इस्तेमाल करने तथा नागरिकों से बेहद चटक रंग वाली मिठाई खरीदते समय सावधानी बरतने की अपील की है। मिठाई विक्रेता जितेश सूचक ने प्रशासन की सख्ती का स्वागत करते हुए कहा कि कृत्रिम रंगों की तुलना में प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देना बेहतर है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों में भी कृत्रिम रंगों को लेकर जागरूकता बढ़ी है और गुणवत्तापूर्ण मिठाई की बिक्री करने वाले व्यवसायियों को इससे नुकसान नहीं होगा।

बजाज ब्रोकिंग ने चैटजीपीटी प्लगइन लॉन्च किया

मुंबई। बजाज ब्रोकिंग ने आज चैटजीपीटी में अपना निवेश एप्लिकेशन प्लगइन लॉन्च किया है, जिससे एक नेटिव, इन-ऐप कनेक्शन के जरिए लाइव पोर्टफोलियो डेटा सीधे चैटजीपीटी के भीतर उपलब्ध हो गया है, और इसके लिए किसी डेवलपर सेटअप की आवश्यकता नहीं है। यह प्लगइन एक ओपन स्टैंडर्ड है, जो एआई असिस्टेंट्स को बाहरी ऐप्स और डेटा स्रोतों से सुरक्षित रूप से जुड़ने की सुविधा देता है।

कनेक्ट करने के बाद निवेशक चैटजीपीटी से अपनी होल्डिंग्स और पोज़िशंस, लाइव मार्केट कोट्स के बारे में सामान्य भाषा में सवाल पूछ सकते हैं, साथ ही ऑर्डर, फंड्स और पी एंड एल (लाभ-हानि) देख सकते हैं, और यह सारी जानकारी उन्हें सीधे उनके लाइव बजाज ब्रोकिंग अकाउंट से सुरक्षित रूप से मिलेगी। यह एआई इंटीग्रेशन एक तैयार-इस्तेमाल (रेडी-टू-यूज) प्लगइन है, न कि कोई डेवलपर टूल। अब तक डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट को किसी एआई असिस्टेंट से जोड़ने के लिए आमतौर पर एडवांस्ड या डेवलपर सेटिंग्स में जाकर सर्वर कॉन्फि गरेशन का विवरण मैन्युअली दर्ज करना पड़ता था। बजाज ब्रोकिंग का यह प्लगइन सीधे चैटजीपीटी की बिल्ट-इन प्लगइन डायरेक्ट्री में मौजूद है, जहाँ कोई भी यूजर इसे ढूँढ़ सकता है, टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन के जरिए अपने डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट को सुरक्षित रूप से जोड़ सकता है, और एक मिनट से भी कम समय में सवाल पूछना शुरू कर सकता है। इस सुविधा से कई तरह के यूजर्स को फायदा मिलने की उम्मीद है, जिनमें अपने पोर्टफोलियो की जानकारी तेजी से पाने के इच्छुक सक्रिय रिटेल निवेशक और ट्रेडर, एआई-आधारित टूल्स को आजमाने वाले टेक्नोलॉजी-प्रेमी निवेशक, अपने निवेश पर नजर रखने के स्मार्ट तरीके खोज रहे युवा प्रोफेशनल्स, और मार्केट डेटा का इस्तेमाल करने वाले डेवलपर या एल्गो ट्रेडर शामिल हैं। बजाज ब्रोकिंग के चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर अनुराग मिश्रा ने कहा, आज निवेशक चाहते हैं कि जानकारी उन्हें उनकी अपनी शर्तों पर मिले—तुरंत, सरल भाषा में, और वहीं जहाँ वे पहले से मौजूद हैं। तकनीक तभी सबसे कारगर होती है जब वह जटिलता की एक और परत जोड़ने के बजाय रुकावटों को दूर करती है। यह लॉन्च एक उभरती हुई तकनीक को आम निवेशक के लिए प्रासंगिक बनाने और उन्हें अपनी ही जानकारी तक पहुँचने का एक अधिक सहज तरीका देने के बारे में है, उन्होंने आगे कहा।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रत्येक प्रतिष्ठान में आंतरिक शिकायत समिति अनिवार्य

10 या अधिक अधिकारी, कर्मचारी अथवा कामगार वाले प्रतिष्ठानों को करना होगा कानून का पालन

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। कार्यस्थल पर महिलाओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम 2013 के तहत 10 या उससे अधिक अधिकारी, कर्मचारी अथवा कामगार वाले प्रत्येक प्रतिष्ठान में आंतरिक शिकायत समिति का गठन करना अनिवार्य है। पालघर जिले के सभी संबंधित प्रतिष्ठानों से कानून में निर्धारित प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने का आहवान श्रम उपआयुक्त, पालघर की ओर से किया गया है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए प्रत्येक पात्र प्रतिष्ठान को आंतरिक शिकायत समिति का गठन करना आवश्यक है। समिति से संबंधित जानकारी केंद्र सरकार के रल्एइड पोर्टल पर दर्ज करने के साथ ही समिति का नाम एवं आवश्यक जानकारी कार्यालय के प्रमुख एवं आसानी से दिखाई देने वाले स्थान पर प्रदर्शित करना भी अनिवार्य है। आंतरिक शिकायत समिति का गठन नहीं करने, कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई नहीं करने अथवा महिलाओं को लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण प्रदान करने संबंधी अधिनियम एवं नियमों का पालन नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले नियोक्ता, प्रबंधन अथवा प्रतिष्ठान के मालिक पर 50 हजार रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। उल्लंघन की पुनरावृत्ति होने पर दोगुने दंड की कार्रवाई का भी प्रावधान है। इसके अतिरिक्त व्यवसाय संचालन के लिए आवश्यक अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) अथवा अनुमति रद्द किये जाने का प्रावधान भी कानून में किया गया है।

महिलाओं की कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये रल्एइड पोर्टल पर आंतरिक शिकायत समिति से संबंधित जानकारी दर्ज एवं अद्यतन करने का आहवान किया गया है। सभी पात्र प्रतिष्ठानों को समिति का गठन कर उसकी जानकारी पोर्टल पर अपडेट करने तथा कार्यालय में समिति की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गये हैं। महिलाओं का सम्मान, सुरक्षा और समानता सुनिश्चित करना प्रत्येक नियोक्ता एवं प्रतिष्ठान की जिम्मेदारी है। इसलिए पालघर जिले के सभी पात्र प्रतिष्ठानों से आंतरिक शिकायत समिति का गठन कर कानून के सभी प्रावधानों का प्रभावी ढंग से पालन करने का आहवान श्रम उपआयुक्त, पालघर की ओर से किया गया।

क्या मुंबई समेत महाराष्ट्र में डीजे पर कसेगी नकेल, माधुरी मिसाल के बाद अब शिंदे के मंत्री ने साझा की आपबीती

मुंबई। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में इन दिनों गरबा में मुस्लिमों की एंट्री बैन करने और डीजे पाबंदी के मुद्दे छाए हुए हैं। राज्य में यह पूरा मामला सामाजिक कार्यकर्ता विद्यानंद बापट द्वारा डीजे के खिलाफ आवाज उठाने और प्रशासनिक बैठक में प्रतिबंध की मांग करने के बाद उन पर हुए सार्वजनिक हमले के बाद बड़ी बहस का मुद्दा बना हुआ है। कई नेताओं और नागरिकों का तर्क है कि महाराष्ट्र के पारंपरिक उत्सवों (जैसे गणेशोत्सव) को डीजे की बजाय ढोल-ताशे और स्थानीय पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ मनाया जाना चाहिए। कुछ दिन पहले फडणवीस सरकार में मंत्री और बीजेपी की नेता माधुरी मिसाल ने कहा था कि वह पूर्ण डीजे प्रतिबंध चाहती हैं।महाराष्ट्र में डीजे पर छिड़ी चर्चा के बीच अब एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना से मंत्री गुलाबराव पाटिल ने गणेशोत्सव में डीजे छोड़ने की अपील करते हुए कहा है कि ढोल-ताशे अपनाएं। पाटिल ने जलगांव में एक कार्यक्रम के दौरान अपनी आपबीती को साझा किया। मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि डीजे की आवाज ने उनकी सुनने की क्षमता 40 फीसदी कम कर दी है। गणेशोत्सव में डीजे और साउंड सिस्टम के इस्तेमाल को लेकर अलर्ट करते हुए राज्य के जलापूर्ति मंत्री गुलाबराव पाटिल ने अपना अनुभव साझा किया।मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा कि शादी समारोह में डीजे की तेज आवाज के कारण उनके एक कान की सुनने की क्षमता 40 फीसदी तक कम हो गई है। अब यह क्षमता वापस आना संभव नहीं है। पाटिल ने कहा कि त्योहार खुशी के लिए हैं, किसी की सेहत खराब करने के लिए नहीं हैं। तेज आवाज से कान के पर्दे को नुकसान पहुंचने जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। मंत्री पाटिल ने कहा कि इसलिए युवाओं को गणेशोत्सव में डीजे और के बजाय ढोल-ताशे को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वह भतीजे की शादी के दौरान परिजनों के आग्रह पर वे नाचने लगे थे। इसी दौरान डीजे की तेज आवाज से उनके कान में परेशानी शुरू हुई और फिर पता चला कि उनकी सुनने की क्षमता 40 फीसदी चली गई है।

महाराष्ट्र में अभी क्या है स्थिति?

महाराष्ट्र में त्योहारों के दौरान डीजे और हाई-डेसिबल साउंड सिस्टम के इस्तेमाल को लेकर पूरे राज्य में एक समान पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, बल्कि अलग-अलग जिलों में स्थानीय प्रशासन और अदालती आदेशों के तहत कड़े नियम व पाबंदियां लागू हैं।2016ः सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. महेश बेडेकर ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की। इसके बाद कोर्ट ने ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए रिहायशी इलाकों में दिन में 55इि और रात (10 बजे से सुबह 6 बजे) के बीच की सीमा तय कर दी।2018ः बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई और राज्य के अन्य हिस्सों में गणेशोत्सव के दौरान भारी-भरकम डीजे और डॉल्बी साउंड सिस्टम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया। कोर्ट ने पारंपरिक वाद्यों (जैसे ढोल-ताशा) को प्राथमिकता देने की बात कही।अगस्त 2025ः बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने पुराने आदेश को बरकरार रखते हुए मुंबई में गणेशोत्सव के दौरान डीजे और लेजर लाइट पर प्रतिबंध जारी रखने का फैसला सुनाया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

करंजाकला गोलीकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच आरोपी दबोचे

अन्य की तलाश जारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के करंजाकला तिराहे पर 9 सितंबर को दो युवकों को गोली मारे जाने की घटना में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। घटना में घायल विपिन यादव उर्फ मखनचू और अंश को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया था, जहां से हालत गंभीर होने पर दोनों को बेहतर उपचार के लिए बीएचयू वाराणसी रेफर किया गया था।

घटना के अनावरण के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तीन पुलिस टीमों का गठन किया गया था। टीमों के संयुक्त प्रयास से पांच संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि करंजाकला तिराहे पर दोनों पक्षों की गाड़ियां आमने-सामने आ गई थीं। इसी दौरान दोनों पक्षों में विवाद हुआ और विवाद के क्रम में गोली चल गई। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि शेष आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि घटना के संबंध में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

भाजपा 2027 में पुनः बनायेगी प्रचंड बहुमत की सरकार: कुसुम राय

पार्टी का आदेश निर्देश मिला तो जरूर लडूंगी 2027 का विधान सभा चुनाव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी गोरखपुर परिक्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष विनोद राय की माता स्व.जमुरता देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करने पूर्व राज्यसभा सांसद एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री (लोकनिर्माण विभाग) उत्तर प्रदेश सरकार, कुसुम राय आजमगढ के ठेकमा ब्लाक अन्तर्गत जिवली गांव पहुंची।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद कुसुम राय का काफिला पूर्वांचल में आस्था का केंद्र मां शीतला चौकियां दरबार पहुंचा, कुसुम राय ने माता शीतला चौकियां मंदिर में दर्शन पूजन कर लोककल्याण की कामना की।

पत्रकारों से वार्ता के दौरान कुसुम राय ने कहा कि, प्रदेश की जनता केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित लोक हितकारी योजनाओं का लाभ उठा

रही है और पूरी तरह से संतुष्ट है। प्रदेश की जनता 2027 के आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश में पुनः भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने जा रही है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है, सत्ता से दूर रहने के कारण विपक्ष बौखलाहट की राजनीति पर उतर आया है। भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूलमंत्र पर काम कर रही है। देश व प्रदेश विकास के मार्ग पर प्रशस्त है, जो विपक्ष को रास नहीं आ रहा है।

कुसुम राय ने खुद के सियासी सक्रियता के सवाल के जवाब में कहा कि, मैने सदैव सक्रिय राजनीति किया है, आमजन की सेवा एवं पार्टी के आदेश - निर्देश पर कार्य करती रहती हूं। चुनावी राजनीति के सवाल पर कहा कि, भाजपा की सच्ची सिपाही हूं, पार्टी का जो भी आदेश निर्देश होगा सहर्ष स्वीकार है। अगर पार्टी ने निर्देशित किया तो 2027 का विधानसभा चुनाव जरुरी लडूंगी। चुनावी तैयारी के सवाल पर जबाब देते हुए कुसुम राय ने कहा कि, भाजपा और उसका हर सिपाही हमेशा चुनावी तैयारी में लगा रहता है, अलग से विशेष तैयारी की जरूरत नहीं पड़ती।

प्रदेश के सियासी गलियारों में जोरदार चर्चा है कि, कुसुम राय को भाजपा लखनऊ पश्चिम सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा सकती है, अगर ऐसा हुआ तो मिलनसार व्यवहार, जमीनी पकड़ और लोकप्रियता का कुसुम राय को फायदा मिल सकता है।

जनचर्चाओं पर गौर करें तो कुसुम राय के विधानसभा पहुंचने की राह आसान दिख रही है। कुसुम राय के साथ समाजसेवी वीरेंद्र कुमार राय, जनरल सेक्रेटरी स्वामी सहजानन्द सरस्वती हितकारी समाज सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी के बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत के निर्देश

बरसात थमते ही ब्लैक टॉपिंग की तैयारी पूरी करने को कहा, गुणवत्ता से समझौता नहीं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन की अध्यक्षता में गुरुवार को निर्माण खंड-2 लोक निर्माण विभाग की सड़कों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में डीएम ने बारिश के चलते क्षतिग्रस्त सड़कों और गड्ढों को तत्काल दुरुस्त कर उन्हें मोटरेबल स्थिति में लाने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

जिलाधिकारी ने कहा कि बरसात समाप्त होने के बाद सड़कों की स्थायी मरम्मत और ब्लैक टॉपिंग के लिए अभी से कार्ययोजना तैयार कर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। बारिश थमते ही ब्लैक टॉपिंग का काम शुरू कराया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को सड़कों के निर्माण व मरम्मत कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। संबंधित अधिकारी मौके पर जाकर कार्यों का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि सभी काम निर्धारित मानकों के अनुरूप और समयबद्ध ढंग से पूरे हों।

डीएम ने ठेकेदारों से निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा कराने के निर्देश देते हुए कहा कि लापरवाही बरतने अथवा समय पर काम पूरा नहीं करने वाले ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुविधा और सुरक्षित आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इसके अलावा सड़कों से संबंधित लागत, कार्यदायी संस्था का नाम समेत अन्य आवश्यक जानकारियां सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने के भी निर्देश दिए गए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता समेत अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को रोजगार योग्य बनाना पीयू की प्राथमिकता: प्रो.आर.के. सिंह

- विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव, 10 विद्यार्थियों का चयन
- संवाद कार्यक्रम में कंपनी के प्रतिनिधियों ने दिए टिप्स

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार एवं करियर के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नीरइन्फो सॉल्यूशंस के सहयोग से प्लेसमेंट ड्राइव एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बीसीए, एमसीए, बी.टेक सहित विभिन्न तकनीकी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। चयन प्रक्रिया के बाद विश्वविद्यालय के 10 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने नीरइन्फो सॉल्यूशंस के निदेशक संयुक्त राज्य अमेरिका सुधांशु शेखर एवं प्रबंध साझेदार वरुण महाजन से संवाद कर विद्यार्थियों के प्रदर्शन, रोजगार की बदलती आवश्यकताओं तथा उद्योग जगत की अपेक्षाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। कंपनी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास तथा शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच के अंतर को कम करने पर विशेष जोर दिया।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्रयास केवल विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें रोजगार योग्य बनाने, उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप उनके कौशल का विकास करने तथा उनके करियर को सही दिशा प्रदान करने पर निरंतर विशेष ध्यान दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल डिग्रीधारी बनाना नहीं, बल्कि उन्हें उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष एवं रोजगार के लिए तैयार पेशेवर बनाना है। विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण एवं नियोजन व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भविष्य में उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप रोजगारपरक प्रशिक्षण, कौशल विकास एवं प्लेसमेंट कार्यक्रमों का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जाएगा। साथ ही विद्यार्थियों में संचार कौशल, व्यक्तित्व विकास, साक्षात्कार कौशल, तकनीकी एवं व्यावहारिक दक्षता, टीम भावना तथा समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

समापन सत्र में नीरइन्फो सॉल्यूशंस के निदेशक सुधांशु शेखर एवं वरुण महाजन ने कहा कि पूर्वांचल के विद्यार्थियों को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए कंपनी की ओर से भविष्य में भी विश्वविद्यालय को पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान रोजगार बाजार की मांग के अनुरूप तैयारी करने के महत्वपूर्ण सुझाव एवं टिप्स दिए। कंपनी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उनके प्रश्नों का समाधान किया तथा रोजगार एवं करियर से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

प्लेसमेंट प्रक्रिया के प्रथम चरण में 8 सितंबर को अभिरुचि एवं योग्यता परीक्षण आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के 116 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इसके बाद 9 सितंबर को कंपनी प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को कंपनी के कार्यक्षेत्र, रोजगार के अवसरों एवं करियर की संभावनाओं की जानकारी दी। इसके पश्चात विद्यार्थियों के व्यक्तिगत साक्षात्कार आयोजित किए गए। विस्तृत चयन प्रक्रिया एवं साक्षात्कार के बाद विश्वविद्यालय के 10 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय प्रशिक्षण एवं नियोजन प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार, नीरइन्फो सॉल्यूशंस के अनिकेत खरे, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. दीप, डॉ. के.के. यादव, डॉ. अनुराग, श्याम त्रिपाठी सहित अन्य शिक्षक एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय कर्री ने शिक्षा और नवाचार में रचा सफलता का नया अध्याय

दुद्धी, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी विकासखंड स्थित प्राथमिक विद्यालय कर्री शिक्षा, नवाचार और

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। प्रधानाध्यापक डॉ. रमेश कुमार के कुशल नेतृत्व में विद्यालय ने शैक्षिक सत्र 2025-26 में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है।

विद्यालय की एक छात्रा का चयन प्रतिष्ठित जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है। वहीं, तीन विद्यार्थियों ने अटल आवासीय विद्यालय तथा 10 विद्यार्थियों ने सर्वोदय विद्यालय में स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। खेलकूद के क्षेत्र में भी विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिला स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता में विद्यालय के बच्चों ने प्रतिभाग करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया।

विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्मार्ट क्लास की स्थापना की गई है। इसके साथ ही बच्चों को पोषण, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यालय परिसर में पोषण वाटिका भी विकसित की गई है।

विद्यालय में बेहतर पठन-पाठन, आधुनिक सुविधाओं और सकारात्मक शैक्षिक वातावरण का परिणाम है कि यहां विद्यार्थियों के नामांकन में लगातार वृद्धि हो रही है। विद्यालय की उपलब्धियों और बेहतर व्यवस्थाओं को देखते हुए इसका चयन ह्यमॉडल विद्यालयह्ण के रूप में किया गया है।

शिक्षा के निर्धारित लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के चलते विद्यालय लगातार दो वर्षों से ह्यनिपुण विद्यालयह्ण घोषित हो रहा है। वहीं, स्वच्छता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए विद्यालय को दो बार ह्यस्वच्छ विद्यालयह्ण पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है।

प्राथमिक विद्यालय कर्री की ये उपलब्धियां ग्रामीण क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नवाचार और बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में किए जा रहे सार्थक प्रयासों की मिसाल पेश कर रही हैं।

ई-रिक्शा चार्ज करते समय करंट की चपेट में आने से चालक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के सुरीश गांव में मंगलवार रात ई-रिक्शा चार्ज करते समय करंट की चपेट में आने से करीब 48 वर्षीय चालक की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार सुरीश गांव निवासी जितेंद्र चौधरी (48) पुत्र मलाई मंगलवार रात अपना ई-रिक्शा चार्ज में लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक करंट की चपेट में आने से वह अचेत होकर गिर पड़े। परिजन उन्हें आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र के राजेपुर त्रिमुहानी गांव में बुधवार दोपहर एक 19 वर्षीय युवती ने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार गांव निवासी अनवर की पुत्री आस्मिन ने कमरे में लगे पंखे से दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली। परिजनों की नजर पड़ने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने आवश्यक जांच-पड़ताल के बाद शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, युवती ने कथित तौर पर आत्महत्या से पहले एक कागज पर अपने माता-पिता से माफी मांगी थी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।

शौचालय से निकलते ही किशोरी को दबोचा, खेत में ले जाकर सामूहिक दुराचार का आरोप

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार देर रात किशोरी के साथ सामूहिक दुराचार का मामला सामने आया। पीड़िता के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। किशोरी का मेडिकल परीक्षण कराया गया है। परिजनों के अनुसार, रात करीब 10:30 बजे किशोरी शौचालय गई थी। आरोप है कि वहां से बाहर निकलते ही तीन लोगों ने उसे पकड़कर पास के मकई के खेत में ले गए और उसके साथ दुराचार किया। किशोरी के रोने-चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी मां मौके पर पहुंची, जिसके बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मामले के खुलासे के लिए एसओजी और सर्विलांस टीम के साथ थाना पुलिस की दो टीमें जांच में जुटी हैं। पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।

चकमार्ग पर लटके हाईटेंशन तार की चपेट में आने से महिला गंभीर घायल

ग्रामीणों का बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप, ट्रांसफार्मर हटाने की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

जितेन्द्र कनोजिया

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुफ्तीगंज विकास खंड क्षेत्र के अंतर्गत बलईपुर (पतीला) गांव में गुरुवार को चकमार्ग के किनारे लटके हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। घायल महिला की पहचान शशिकला पत्नी उमेश के रूप में हुई है। घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें तत्काल निजी चिकित्सक के पास पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

बताया गया कि शशिकला खेत से पशुओं के लिए चारा काटकर घर लौट रही थीं। रास्ते में चकमार्ग के बीच स्थापित ट्रांसफार्मर के पास पहुंचते ही वह नीचे लटके हाईटेंशन तार के संपर्क में आ गईं, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गईं।

घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों का आरोप है कि चकमार्ग के बीच लगे ट्रांसफार्मर और नीचे झूल रहे बिजली के तारों की शिकायत कई बार बिजली विभाग, उपजिलाधिकारी केराकत तथा मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीणों का कहना है कि इसी मार्ग से प्रतिदिन खेतों तक आवागमन होता है, जिससे हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

महिला के घायल होने के बाद सैकड़ों ग्रामीणों ने ट्रांसफार्मर के पास एकत्र होकर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया और चकमार्ग से ट्रांसफार्मर व बिजली के खंभे हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

इस दौरान भूतपूर्व सैनिक कुनाल यादव भी ग्रामीणों के साथ मौजूद रहे और उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल्द समाधान कराने की मांग की। प्रदर्शन में अजित वर्मा, पिटर यादव, अशोक कुमार, आनंद कुमार, सीताराम, रामनिहोर, उमेशचंद, प्रकाश, यशवंत, जयप्रकाश, रामजतन, विजयलाल, पवन, अंकित, शैलेन्द्र, शनि, पंकज, मंकर, रामकिशुन, अर्जुन, शकलदीप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ALIMCO शिविर में सात विकासखंडों के बच्चों ने लिया हिस्सा, बीएसए समीर ने किया औचक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। दिव्यांग बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में समग्र शिक्षा अभियान के समेकित शिक्षा कार्यक्रम के तहत विकासखंड बक्शा में ALIMCO उपकरण मापन एवं परीक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बक्शा समेत बदलापुर, सिकरारा, महाराजगंज, सुजानगंज, खुटहन एवं करंजाकला विकासखंडों से पहुंचे 317 दिव्यांग बच्चों का मापन एवं परीक्षण किया गया।

मापन प्रक्रिया के बाद 297 दिव्यांग बच्चों को विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए चिन्हित किया गया। चिन्हित बच्चों को उनकी दिव्यांगता एवं आवश्यकता के अनुरूप उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया आगे पूरी की जाएगी। सहायक उपकरण मिलने से बच्चों को विद्यालय आने-जाने, पढ़ाई करने तथा दैनिक गतिविधियों में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

बीएसए ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा- शिविर का जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में पहुंचकर दिव्यांग बच्चों के मापन एवं परीक्षण की प्रक्रिया देखी तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि

पूरी प्रक्रिया पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से पूरी की जाए और पात्र बच्चों को योजना का लाभ समय से मिले।

इस दौरान जिला समन्वयक समेकित शिक्षा शशिधर उपाध्याय भी मौजूद रहे। बीएसए ने सभी स्पेशल एजुकेटर को निर्देश दिया कि चिन्हित किए गए बच्चों की आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूरी कराई जाएं, जिससे सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की कार्रवाई में अनावश्यक विलंब न हो।

उन्होंने कहा कि दिव्यांग बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ना विभाग की प्राथमिकता है। प्रत्येक पात्र बच्चे तक सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें।

दुद्धी के अधिवक्ताओं ने उठाई सुविधाओं की आवाज, डीएम व जिला जज को सौंपा सात सूत्री ज्ञापन

अधिवक्ता कक्ष, पार्किंग, सुरक्षा, सौर ऊर्जा समेत मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

दुद्धी/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। दुद्धी बार एसोसिएशन एवं सिविल बार एसोसिएशन दुद्धी के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को अध्यक्ष कुलभूषण पाण्डेय एडवोकेट के नेतृत्व में जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज पहुंचकर जिलाधिकारी एवं जिला जज को सात सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। अधिवक्ताओं ने दुद्धी कचहरी परिसर की विभिन्न समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराए जाने की मांग की।

अधिवक्ताओं ने बताया कि जिला मुख्यालय से दुद्धी की दूरी अधिक होने के कारण अधिवक्ताओं और वादकारियों को न्यायिक कार्यों के लिए आवागमन में काफी परेशानी होती है। ऐसे में दुद्धी कचहरी परिसर में आवश्यक सुविधाओं का होना बेहद जरूरी है।

ज्ञापन में कचहरी परिसर के दोनों ओर टीन शेड लगाकर पर्याप्त क्षेत्रफल में पक्का लिंटर्ड अधिवक्ता कक्ष बनाए जाने की मांग की गई, ताकि गर्मी, बारिश और ठंड के मौसम में अधिवक्ताओं को खुले में बैठकर न्यायिक कार्य न करना पड़े। इसके अलावा परिसर की सुरक्षा के लिए चारदीवारी, गेट, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की मांग भी रखी गई।

अधिवक्ताओं ने दुद्धी बार एसोसिएशन के क्षतिग्रस्त सभागार की मरम्मत, फॉल्स सीलिंग, पेंटिंग एवं विद्युत वायरिंग कराने तथा कचहरी परिसर में मोटरसाइकिल और कार के लिए पार्किंग स्टैंड बनवाने की मांग की।

ज्ञापन में न्यायालय परिसर स्थित प्राचीन कुएं के चबूतरे एवं छाजन का निर्माण कराने तथा उसकी नियमित साफ-सफाई कराने की मांग भी शामिल रही। निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए पर्याप्त क्षमता के सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा व्यवस्था उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया गया।

अधिवक्ताओं ने प्रत्येक मंगलवार को अपर जिलाधिकारी के कैंप कोर्ट में लंबित अपीलों की सुनवाई के साथ-साथ दुद्धी क्षेत्र के वादकारियों से संबंधित धारा 30(2) के मामलों की नियमित सुनवाई कराए जाने की मांग भी उठाई।

प्रतिनिधिमंडल में पूर्व अध्यक्ष दिनेश कुमार अग्रहरी एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव एडवोकेट, पूर्व अध्यक्ष प्रेमचंद यादव एडवोकेट एवं पूर्व सहसचिव पुस्तकालय बैजनाथ यादव एडवोकेट सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे। प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों से अधिवक्ताओं एवं वादकारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा जताई।

चन्दन डायग्नोस्टिक कलेक्शन एंड वैष्णो पैथोलॉजी सेंटर का भव्य शुभारंभ

स्थानीय स्तर पर आधुनिक जांच सुविधाएं मिलने से मरीजों को मिलेगी राहत

अरशद अली

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए कृपा शंकर नगर, मछलीशहर में चन्दन डायग्नोस्टिक कलेक्शन एंड वैष्णो पैथोलॉजी सेंटर का भव्य शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. मो. अरशद एवं विशिष्ट अतिथि डॉ. आर. बी. चौहान ने संयुक्त रूप से फीता काटकर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ. मो. अरशद ने सेंटर के संचालकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर आधुनिक पैथोलॉजी जांच सुविधाएं उपलब्ध होने से क्षेत्र के लोगों को जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने सेंटर की इस पहल को क्षेत्रवासियों के लिए उपयोगी बताया। वहीं, डॉ. आर. बी. चौहान ने सेंटर की सफलता की कामना करते हुए कहा कि सही समय पर सटीक जांच बेहतर इलाज की पहली सीढ़ी होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सेंटर मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं विश्वसनीय जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। सेंटर के

संचालकों ने बताया कि यहां एक ही छत के नीचे रक्त, यूरिन, एचआईवी, हेपेटाइटिस समेत विभिन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जांचों की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उद्घाटन समारोह में चिकित्सा जगत से जुड़े पेशेवरों के अलावा स्थानीय समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। सभी ने सेंटर की नई पहल की सराहना करते हुए संचालकों को शुभकामनाएं दीं।

द्विधा ने पिता-बेटी के रिश्ते की भावनाओं को पर्दे पर उतारा : राजन नाईक

नालासोपारा। नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने फिल्म द्विधा का प्रीमियर शो देखा और फिल्म की भावनात्मक कहानी की सराहना की। उन्होंने कहा कि पिता और बेटी के रिश्ते में मौजूद अटूट प्रेम, भावनाओं, संघर्ष और संवेदनशील पलों को फिल्म में बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। विधायक राजन नाईक ने फिल्म के राइटर-डायरेक्टर नीलेश भास्कर नाईक के निर्देशन की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने पिता-बेटी के रिश्ते की गहराई और भावनात्मक जुड़ाव को प्रभावी ढंग से पर्दे पर उतारा है। वहीं, मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री मानसी अशोक कुलकर्णी के अभिनय की भी उन्होंने सराहना की। उन्होंने कहा कि फिल्म के कई भावुक दृश्य दर्शकों को रिश्तों की अहमियत महसूस कराते हैं। द्विधा सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि पिता और बेटी के बीच प्यार और भावनाओं का खूबसूरत अनुभव है। प्रीमियर शो के अवसर पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता बबनशेठ नाईक, सामवेदी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अनंत पाटिल, लेखक-निर्देशक नीलेश नाईक, अभिनेत्री मानसी कुलकर्णी सहित फिल्म से जुड़े अन्य लोग और परिवारजन उपस्थित रहे। विधायक राजन नाईक ने फिल्म द्विधा की पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इंडियनऑयल ने एनपीसीआई और टोनटैग के सहयोग से भारत का पहला इनकार फ्यूल पेमेंट सॉल्यूशन लॉन्च किया

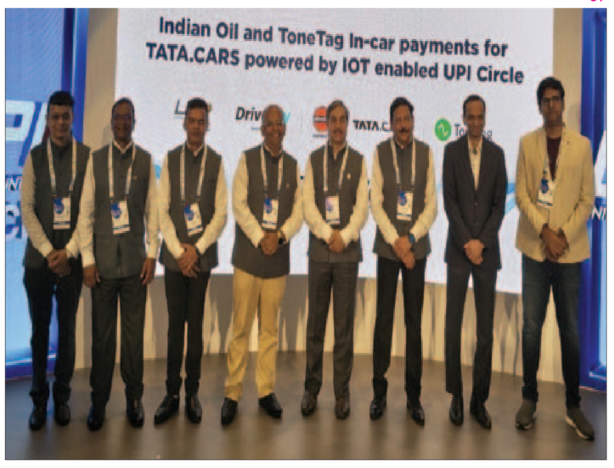

मुंबई। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एनपीसीआई और टोनटैग के सहयोग से टाटा डॉट कार्स के लिए इंडियनऑयल रिटेल आउटलेट्स पर भारत का पहला इन-कार पेमेंट सॉल्यूशन लॉन्च किया है। यह लॉन्च ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2026 के दौरान किया गया। इस पहल के माध्यम से ग्राहक अपने कनेक्टेड वाहनों के डैशबोर्ड के माध्यम से सीधे और सुरक्षित रूप से ईंधन का भुगतान कर सकेंगे। यह पहल मोबिलिटी क्षेत्र में डिजिटल पेमेंट अनुभव को और अधिक उन्नत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

यह सॉल्यूशन एनपीसीआई के यूपीआई सर्किल फ्रेमवर्क के तहत इंट्रोडक्शन ऑफ आईओटी डिवाइसेस एंड सॉफ्टवेयर ऑन द यूपीआई इकोसिस्टम पहल का लाभ उठाते हुए कनेक्टेड वाहनों के माध्यम से भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराता है।

ईंधन भरवाने के बाद ग्राहक किसी अलग मोबाइल ऐप, कार्ड या किसी अन्य भुगतान पद्धति का उपयोग किए बिना अपने वाहन के इंटरफेस के माध्यम से ही लेनदेन पूरा कर सकेंगे। इस सॉल्यूशन में इंडियनऑयल के एक्स्ट्रारिवॉर्ड्स लॉयल्टी कार्यक्रम को भी एकीकृत किया गया है। इससे पात्र ग्राहक लेनदेन के दौरान अपना मोबाइल नंबर साझा किए बिना रिवॉर्ड पॉइंट्स प्राप्त कर सकेंगे। इंडियनऑयल के व्यापक ईंधन रिटेल नेटवर्क, टाटा डॉट कार्स की कनेक्टेड वाहन इकोसिस्टम और एनपीसीआई के विश्वसनीय डिजिटल पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को एक साथ लाकर, इस पहल को ईंधन भरने की प्रक्रिया को अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। यह सहयोग भारत की कनेक्टेड मोबिलिटी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इसके माध्यम से इंडियनऑयल अपने रिटेल आउटलेट्स पर इन-कार पेमेंट अनुभव शुरू करने वाला देश का पहला फ्यूल रिटेलर बन गया है। साथ ही, इससे भविष्य में वाहन के भीतर से ही विभिन्न प्रकार के पेमेंट्स, कॉमर्स और डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए एक मजबूत आधार तैयार हुआ है।

लेने जा रहे टेंपो चालक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद थाना क्षेत्र के कजगांव रेलवे स्टेशन पर गुरुवार को ट्रेन की चपेट में आने से 55 वर्षीय टेंपो चालक की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के परियावा (वनपुरवा) गांव निवासी फेरु निषाद (55) पुत्र स्वर्गीय मिट्ठू निषाद टेंपो चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। बताया गया कि वह पिछले कुछ दिनों से वायरल बुखार से पीड़ित थे। गुरुवार को वह सलखापुर रेलवे स्टेशन से एजे ट्रेन में सवार होकर कजगांव पहुंचे थे। वहां से उन्हें दवा लेने के लिए जौनपुर शहर जाना था।

बताया गया कि कजगांव रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से उतरने के दौरान अचानक ट्रेन चल पड़ी। इसी दौरान फेरु ट्रेन की सीढ़ी की चपेट में आकर पटरी की ओर गिर गए। हादसे में उनके पेट में गंभीर चोट आई और एक हाथ कट गया। गंभीर रूप से घायल फेरु की मौके पर ही मौत हो गई।

पोषाहार को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती पर लगाया घोटाले का आरोप

कोन/सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विकास खंड कोन के ग्राम पंचायत कुड़वाँ के टोला शिवाखाड़ी स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पुड़वां टोली में गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों को वितरित किए जाने वाले पोषाहार में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है। आरोप है कि लंबे समय से पात्र महिलाओं और बच्चों को पोषाहार का वितरण नहीं किया जा रहा है। इसको लेकर महिलाओं ने उर्मिला देवी के नेतृत्व में प्रदर्शन कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ती के खिलाफ नारेबाजी की और कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन में उर्मिला देवी, सिमिति, प्रमिला देवी, तिल्की, मीना और मानकुंवर देवी समेत कई महिलाएं शामिल रहीं। महिलाओं ने जिलाधिकारी एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी, चोपन को भेजे शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ती द्वारा वर्षों से पोषाहार का नियमित वितरण नहीं किया जा रहा है। महिलाओं का आरोप है कि कार्यकर्ती और सुपरवाइजर की मिलीभगत से पोषाहार का कथित रूप से बंदरबांट कर लिया जाता है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि पोषाहार की मांग करने वाली महिलाओं के परिजनों को फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी दी जाती है। अनिता, प्रमिला, उर्मिला, आरती, सोनी, पूजा सहित दर्जनों महिलाओं ने अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में बाल विकास परियोजना अधिकारी चोपन ने कहा कि मामला अभी कार्यालय में नहीं पहुंचा है। यदि शिकायत प्राप्त होती है तो प्रकरण की जांच कराकर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि जांच के बाद पात्र महिलाओं एवं बच्चों को नियमित रूप से पोषाहार मिल पाता है या मामला केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रह जाता है।

आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ला का गृह प्रवेश 13 को

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। अधिवक्ता आचार्य पंडित दिनानाथ शुक्ला के नये घर तथा पुत्री प्रगति शुक्ला और पुत्र श्रेयांस शुक्ला के जन्मदिन के शुभ अवसर पर गृहप्रवेश दिनांक 13 सितंबर 2026 दिन रविवार को स्थल प्रगतिनगर,एन वींग फ्लैट नंबर 907 वीवा हेरीटेरा कम्प्लेक्स, 90 फीट रोड, नालासोपारा पूर्व में सुबह 8 बजे को गृह-प्रवेश संपन्न होगा तथा दोपहर 3 बजे सुन्दर काण्ड पाठ का आयोजन किया गया है। शाम 7 बजे महाप्रसाद व ब्रम्हभोज रखा गया है। यह आयोजन पंडित आचार्य दीनानाथ शुक्ल, धर्म पत्नी श्रीमती पूनम शुक्ला ने किया है। सभी मित्र गण, शुभचिंतकों से अनुरोध है कि ठीक समय पर पधार कर शुभ कार्यक्रम में शामिल होकर बच्चों के जन्मदिन पर आशीर्वाद प्रदान करें। दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के परिवार के तरफ से संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, प्रवधंक शेषधर विंद, संरक्षक शरद प्रजापति, के के मिश्रा बच्चन , भरत शुक्ला, जगदीश तिवारी, आनंद मिश्रा ने नवीन घर के लिए हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर तहसील क्षेत्र के मीरगंज थाना अंतर्गत मोलनापुर गांव में गुरुवार दोपहर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 23 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। मोलनापुर गांव निवासी रामबरन चौहान का पुत्र सतीश कुमार (23) गुरुवार दोपहर खेत में मेड़ बांधने गया था। इसी दौरान बारिश के बीच तेज चमक और गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिर गई। इसकी चपेट में आने से सतीश गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। ग्रामीणों के अनुसार सतीश तीन भाइयों में सबसे छोटा था। बेटे की मौत से मां फूलकुमारी समेत परिवार के अन्य सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राजस्व विभाग के सहयोग से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

रामपुर सीएचसी में तीन कर्मचारी और डॉक्टर मिले अनुपस्थित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर समेत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अड़ियार कठवतीय एवं सुरेरी का निरीक्षण किया। रामपुर सीएचसी में निरीक्षण के दौरान बीसीपीएम, लैब टेक्नीशियन (एलटी), एआरओ और डॉ. राहुल गुप्ता अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए गए। सीएचसी में साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक मिली और आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध थीं। प्रसव कक्ष में भर्ती प्रसूता भारती ने पुत्र को जन्म दिया था। सीएमओ ने संबंधित स्टाफ को जननी सुरक्षा योजना के तहत भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर जल्द भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अड़ियार कठवतीय और सुरेरी में सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित मिले। दोनों केंद्रों पर साफ-सफाई और दवाओं की उपलब्धता संतोषजनक पाई गई। सीएमओ ने सभी कर्मचारियों को निर्धारित समय पर उपस्थित रहने तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उपचार और मरीजों की सुविधाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर सख्त चेतावनी दी गई।

सुलेखा चव्हाण की पार्षद पद से छुट्टी, ठाणे में शिंदे गुट को झटका

ठाणे। ठाणे नगर निगम के वार्ड नंबर 5 (ए) से शिवसेना शिंदे गुट की पार्षद सुलेखा सुधाकर चव्हाण उर्फ सुलेखा शिवाजी सूर्यवंशी का पार्षद पद रिक्त घोषित कर दिया गया है। नगर निगम प्रशासन के अनुसार, धुले की अनुसूचित जनजाति (एसटी) प्रमाणपत्र सत्यापन समिति द्वारा 16 जून 2026 को जारी आदेश के आधार पर उनका पार्षद पद उसी दिन से समाप्त माना गया है।

सुलेखा चव्हाण वार्ड नंबर 5 (ए) से निर्विरोध निर्वाचित हुई थीं। हालांकि, उनके अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र को लेकर सत्यापन समिति के समक्ष मामला चल रहा था। समिति के 16 जून 2026 के निर्णय के बाद उनके निर्वाचन पर भी सवाल खड़े हो गए थे।

नगर निगम प्रशासन ने अब समिति के आदेश के आधार पर संबंधित पार्षद पद को रिक्त घोषित करने की प्रक्रिया पूरी की है। इस संबंध में ठाणे नगर निगम आयुक्त सौरभ राव ने कोंकण विभागीय आयुक्त को पत्र भेजकर स्थिति से अवगत कराया है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि वार्ड नंबर 5 (ए) की पार्षद सीट 16 जून 2026 से रिक्त हो गई है। इसके साथ ही, विभागीय आयुक्त से इस रिक्त सीट के संबंध में नियमानुसार आवश्यक एवं उचित आगे की कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया है। सुलेखा चव्हाण का पार्षद पद समाप्त होने को ठाणे में सत्तारूढ़ शिवसेना शिंदे गुट के लिए राजनीतिक झटके के तौर पर देखा जा रहा है।

वसई के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट को नई रफ्तार : स्नेहा दुबे पंडित

वसई। वसई विधानसभा क्षेत्र में सड़क, फ्लाईओवर, रेलवे ओवरब्रिज (ROB) और बेहतर कनेक्टिविटी से जुड़े विकास कार्यों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। एमएमआरडीए की एक महत्वपूर्ण बैठक में क्षेत्र के विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण सुझाव और निर्णय सामने आए।

बैठक में फेज-कके तहत वसई फाटा से वसई रेलवे स्टेशन रोड, बापने फाटा से नायगांव ईस्ट रेलवे स्टेशन रोड तथा भुईगांव कनेक्टर से एनएच-48 कनेक्शन को प्राथमिकता देने पर चर्चा हुई। इसके अलावा अनार्ला से अनार्ला फोर्ट ब्रिज सहित विभिन्न फ्लाईओवर और रेलवे ओवरब्रिज परियोजनाओं को भी तेज गति से आगे बढ़ाने को लेकर आवश्यक चर्चा की गई।

वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने कहा कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी और नागरिकों की जरूरतों को देखते हुए मजबूत सड़क नेटवर्क और बेहतर कनेक्टिविटी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि वसई के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास से जुड़े इन महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को गति देने के लिए उनका लगातार फॉलो-अप और प्रयास जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़कें, सुगम यातायात और मजबूत कनेक्टिविटी से वसई के नागरिकों को राहत मिलने के साथ-साथ क्षेत्र के समग्र विकास को भी नई दिशा मिलेगी।

महेश सरवणकर उपस्थिति में भाजपा वसई रोड मंडल कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

वसई। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल की बोर्ड कार्यकारिणी बैठक 9 सितंबर को वसई पश्चिम स्थित सांगवी बैंक्वेट हॉल में उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुई। बैठक का आयोजन भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल एवं वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के मार्गदर्शन में भाजपा वसई रोड मंडल अध्यक्ष एवं कॉर्पोरेटर महेश सरवणकर ने किया।

बैठक में जिला महासचिव एवं मंडल प्रभारी विजेंद्र कुमार तथा केरल सेल के कोऑर्डिनेटर उत्तम कुमार ने संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन किया। इस दौरान कॉर्पोरेटर अपर्णा पाटिल ने बधाई प्रस्ताव रखा, जिसका सीमा सिंह सेंगर ने समर्थन किया। वहीं कॉर्पोरेटर प्रदीप पवार की ओर से नंदकिशोर पवार ने राजनीतिक प्रस्ताव रखा, जिसका संगीता महादिक ने समर्थन किया। दोनों प्रस्तावों को उपस्थित सदस्यों के बहुमत से मंजूरी प्रदान की गई। बैठक का संचालन एडवोकेट राजेश गायकवाड़ ने किया, जबकि जितेंद्र वेंगुर्लेकर ने आभार व्यक्त किया। बोर्ड जनरल सेक्रेटरी दीपक शर्मा की ओर से चाय एवं पानी की व्यवस्था की गई।

बैठक में भाजपा वसई रोड मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को और मजबूत करने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों के लिए कार्यकताओं को सक्रिय रूप से जुटाने पर जोर दिया गया।

अगर चाहें तो इसे मैं अखबार की मीडियम न्यूज शैली में और अधिक प्रभावी हेडिंग के साथ भी तैयार कर सकता हूँ।

अतिक्रमण हटाने गए एडिशनल डीसीपी को मारा धक्का

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। इंदौर के साउथ तोड़ा में बुधवार को नगर निगम की रिमूवल कार्रवाई के दौरान हंगामा हो गया। भीड़ को हटाने के दौरान पीछे मौजूद एक युवक ने एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल को धक्का दे दिया। इससे उनका संतुलन बिगड़ गया और वे जमीन पर गिर पड़े। पुलिस ने मौके से 6 लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक सभी के खिलाफ आगे कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की टीम 100 से ज्यादा कर्मचारियों, 3 पोकलेन और 6 जेसीबी के साथ पहुंची थी। सुरक्षा के लिए 80 से ज्यादा पुलिस जवान और अधिकारी तैनात किए गए थे। निगम के मुताबिक 50 शेड और 6 मकानों के अवैध हिस्से हटाए गए।कार्रवाई के दौरान कुछ महिलाएं पुलिस से सामान बाहर निकालने को लेकर बहस करने लगीं। उनका कहना था कि नोटिस में उन्हें सुबह 9 बजे तक का समय दिया गया है। इसी बात पर विवाद बढ़ा और मौके पर भीड़ जमा हो गई। कई लोग मोबाइल से वीडियो बनाने लगे।

हालात को देखते हुए एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल भीड़ को पीछे हटाने लगे। इसी दौरान पीछे मौजूद एक युवक ने उन्हें धक्का दे दिया। संतुलन बिगड़ने से वे जमीन पर गिर पड़े। पुलिस जवानों ने तत्काल युवक को पकड़ लिया।

उसके साथ मौजूद एक अन्य युवक समेत कुछ लोगों को भी हिरासत में लिया गया। एडिशनल डीसीपी दिशेष अग्रवाल ने बताया कि रिमूवल कार्रवाई के दौरान 6 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा के लिए 80 से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे।निगम अधिकारियों के अनुसार रिमूवल कार्रवाई से पहले संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए गए थे। निगम टीम ने टेप से नपती कर चिन्हित अवैध निर्माण हटाए। झोन-11 के झोनल अधिकारी गीतेश तिवारी ने बताया कि साउथ तोड़ा में 50 शेड और कुछ मकानों के अवैध हिस्से हटाए गए हैं। क्षेत्र में आने वाले दिनों में सड़क निर्माण और चौड़ीकरण का काम प्रस्तावित है। इसी के चलते कार्रवाई की गई।

प्रतिबंधित मांझे से युवक का गला कटा, 12 टांके लगे, एफआईआर दर्ज न होने पर एसपी से गुहार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतिबंधित चाइनीज एवं सिंथेटिक मांझे की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके गले में गहरी चोट आई और जिला चिकित्सालय में उपचार के दौरान 12 टांके लगाए गए। घटना के बाद पीड़ित द्वारा थाना कोतवाली में प्रार्थना पत्र देने के बावजूद मुकदमा दर्ज न होने पर 10 सितंबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग की गई।

पुराना पान दरीबा, मिसिरपुर निवासी सुजल मौर्य पुत्र संतोष कुमार मौर्य छह सितंबर को अपने भाई सानू मौर्य के साथ मोटरसाइकिल से घर जा रहे थे। सद्भावना पुल पर भारत इलेक्ट्रॉनिक के सामने अचानक प्रतिबंधित मांझा उनके गले में फंस गया, जिससे उनका गला गंभीर रूप से कट गया। उन्हें जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान गले में 12 टांके लगाए गए। हादसे में उनके भाई सानू के हाथ में भी गंभीर चोट आई।

पीड़ित ने घटना के संबंध में थाना कोतवाली में कार्रवाई के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। मुकदमा दर्ज नहीं होने पर उन्होंने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अभियोग पंजीकृत करने की मांग की। साथ ही जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के अलावा डाक के माध्यम से भी पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र भेजा गया।पीड़ित के साथ अधिवक्ता विकास तिवारी और अतुल सिंह मौजूद रहे। अधिवक्ता विकास तिवारी ने कहा कि 14 जनवरी 2026 को जिलाधिकारी जौनपुर ने चाइनीज एवं सिंथेटिक मांझे की खरीद, बिक्री, भंडारण और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाते हुए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद प्रतिबंधित मांझे से लगातार हादसे होना चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि इससे पहले शिक्षक संदीप तिवारी और चिकित्सक डॉ. समीर हाशमी की जान जा चुकी है। अब सुजल मौर्य जैसे राहगीर गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। प्रशासन को जिलाधिकारी के आदेश को कागज से जमीन पर उतारते हुए प्रतिबंधित मांझे की बिक्री और उपयोग के खिलाफ प्रभावी अभियान चलाना चाहिए, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

अतुल सिंह ने भी प्रतिबंधित मांझे की बिक्री और उपयोग पर तत्काल रोक लगाने तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पतंग उड़ाना खुशी का माध्यम हो सकता है, लेकिन किसी की गर्दन काटने वाला मांझा मनोरंजन नहीं, बल्कि जानलेवा सामान है। इस अवसर पर विकास तिवारी, अतुल सिंह, डॉ. अब्बासी, सुधांशु सिंह, राजकुमार प्रजापति, अंकित यादव, रंजीत यादव, साई, देवेश मौर्य, नीरज पाठक आदि उपस्थित रहे।

नदी में डूबने से युवक की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज थाना क्षेत्र के भैसहां रामपुर गांव में गुरूवार को शौच करने गये 23 वर्षीय राजू वनवासी पुत्र केदारनाथ वनवासी की पैर फिसलने के कारण नदी में गिरकर डूबने से मौत हो गई। राजू शौच करने सुबह घर के बगल स्थित नदी पर गया हुआ था जहां उसका पैर फिसल गया जिसके चलते उसकी नदी में डूबने से मौत हो गई। वहीं आसकृपास मौजूद युवकों ने आनन-फानन में राजू के घर सूचना दिया जिस पर पहुंचे घर वालों ने देखा तो उसका शव पानी के उपर आ गया था। इसके बाद घर वालों ने शव को नदी से बाहर निकाला तथा थाना पुलिस को सूचित किया। तत्पश्चात उ.नि. मनोज सिंह मयफोर्स मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुये अन्त्य परीक्षण के लिये जिला अस्पताल भेज दिया। साथ ही मौके पर राजस्व विभाग की टीम भी पहुंचकर आवश्यक कार्यवाही।

सांसद रत्न अवॉर्ड 2026 से सम्मानित हुए डॉ. हेमंत विष्णु सावरा

पालघर। पालघर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. हेमंत विष्णु सावरा को संसद में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सांसद रत्न अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें संसद में सक्रिय भागीदारी, जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने तथा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए प्रदान किया गया। अवॉर्ड समारोह में भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरतभाई राजपूत और वरिष्ठ नेता बाबाजी कथोले उपस्थित रहे। उन्होंने डॉ. हेमंत सावरा को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके निरंतर जनसेवा कार्यों के लिए शुभकामनाएं दीं। डॉ. हेमंत विष्णु सावरा को मिला यह सम्मान पालघर जिले के लिए गौरव का विषय बताया जा रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर उनके संसदीय कार्यों को मिली इस पहचान से भाजपा कार्यकताओं और समर्थकों में भी खुशी का माहौल है। स्थानीय स्तर पर लोगों ने उन्हें बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे भविष्य में भी जनहित के मुद्दों को संसद में मजबूती से उठाते रहेंगे।

ब्रिजस्टोन इंडिया के मोबिलिटी सोशल इम्पैक्ट अवार्ड्स 2026 में विजेता बने महाराष्ट्र के दो एनजीओ

मुंबई। ब्रिजस्टोन इंडिया के मोबिलिटी सोशल इम्पैक्ट अवार्ड्स 2026 के छठे संस्करण में महाराष्ट्र के तीन एनजीओ को समाज के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। ह्यूमीलिटी इन एम्पावरमेंट ऑफ वल्नरेबल कम्युनिटीज (वंचित समुदायों के सशक्तिकरण में मोबिलिटी की भूमिका) श्रेणी में जीत हासिल करने वाला अनुभूति चैरिटेबल ट्रस्ट महिलाओं द्वारा संचालित एक एनजीओ है। यह एनजीओ महाराष्ट्र में खानाबदोश, डी-नोटिफाइड एवं आदिवासी समुदायों के साथ काम करता है। इसमें शिक्षा एवं नेतृत्व विकास के माध्यम से फर्स्ट जनरेशन ऑफ लर्नर्स (सीख रही पहली पीढ़ी) को सशक्त करने पर फोकस किया जाता है। इस संगठन ने दूरदराज के क्षेत्रों के बच्चों एवं युवाओं के लिए शिक्षा तक पहुंच को बेहतर किया है, साथ ही उन्हें मानसिक स्वास्थ्य सहायता, करियर के लिए मार्गदर्शन, लैंगिक न्याय के प्रति जागरूकता, आपदा प्रशिक्षण और सांस्कृतिक सशक्तिकरण के माध्यम से भी सहयोग प्रदान किया जाता है। अब तक अनुभूति ने ट्रेनिंग, काउंसिलिंग, स्कॉलरशिप, फेलोशिप एवं जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से 8 लाख से ज्यादा लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। 45 से ज्यादा संस्थानों के साथ साझेदारी के माध्यम से कई नगर निगमों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यह लगातार 600 से ज्यादा युवाओं के साथ काम करता है। अकेले इस प्रोजेक्ट ने 1,000 से ज्यादा बच्चों एवं युवाओं की मदद की है, 100 प्रतिशत शिक्षा जारी रखने की दर हासिल की है और 90 प्रतिशत लोगों को नशे से दूर रहने में मदद की है। इससे जुड़े कई प्रतिभागी अब अपने समुदाय के ऐसे पहले व्यक्ति हैं जो उच्च शिक्षा ले रहे हैं और अलग-अलग एकेडमिक एवं प्रोफेशनल क्षेत्रों में मौके पा रहे हैं।

पीएम ने करोड़ों रुपये की परियोजनाओं का किया उद्घाटन और शिलान्यास

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के पवेलियन ग्राउंड में आयोजित 'NaMo for Viksit Bharat' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए युवाओं से तेजी से उभर रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अवसरों के लिए खुद को तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने विकसित भारत के निर्माण में कौशल, नवाचार और तकनीक के महत्व पर जोर दिया।

महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के पवेलियन ग्राउंड में आयोजित 'NaMo for Viksit Bharat' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को अब के लिए तैयार रहना होगा और ऐसे कौशल विकसित करने होंगे, जिन्हें तकनीक और वैश्विक आवश्यकताओं में बदलाव के साथ लगातार उन्नत किया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य सेवा, विनिर्माण और रोबोटिक्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवसर पैदा करेगा।

प्रधानमंत्री की युवाओं के साथ यह बातचीत गुजरात के लिए एक बड़े विकास अभियान के साथ हुई, जिसमें उन्होंने वडोदरा में 35,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में रेलवे, सड़क और अन्य बुनियादी ढांचा क्षेत्रों से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं, जो क्षेत्र में कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स को और मजबूत करेंगी। इस दौरे का एक प्रमुख आकर्षण 2,800 किलोमीटर लंबे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का पूरा होना रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 21वीं सदी के भारत की एक ऐतिहासिक उपलब्धि और तीव्र शक्ति तथा देश के लॉजिस्टिक्स परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। अपने संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने वडोदरा की शिक्षा और औद्योगिक केंद्र के रूप में रही पहचान को लेकर आधुनिक विनिर्माण और उभरती तकनीकों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में हुए विकास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कपड़ा, टाइल्स, तेल और पेट्रोकेमिकल्स के क्षेत्रों में शहर की प्रगति तथा एक बड़े टटएए हब के रूप में इसके विस्तार को रेखांकित किया। उन्होंने भारत की एयरोस्पेस विनिर्माण यात्रा में वडोदरा की भूमिका का भी उल्लेख किया, जिसमें उ-295 विमान कार्यक्रम शामिल है। वडोदरा की औद्योगिक यात्रा को भविष्य के अवसरों से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के विकास के अगले चरण के लिए शिक्षा, कौशल और उद्योग का समन्वय बेहद महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने युवाओं से वर्तमान समय का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान किया और इसे भारत के युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण दौर बताया। उन्होंने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य में योगदान देने का आह्वान किया।

मुफ्त एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम के साथ गणेश चतुर्थी शुभकामनाओं को दें अनोखा और रचनात्मक अंदाज

मुंबई। गणेश चतुर्थी भारत में मनाये जाने वाली सबसे लोकप्रिय त्योहारों में से एक है। लोग पंडाल दर्शन, घरों की सजावट, आरती के यादगार क्षण, परिवार के साथ बिताए पल और त्योहार की शुभकामनाएं सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर साझा करते रहे हैं। आज त्योहारों का उत्सव मनाना केवल प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करने तक सीमित नहीं रह गया है। लोग इन खास पलों को डिजिटल रूप से कैप्चर करते हैं, रचनात्मक कंटेंट तैयार करते हैं और उसे दूसरों के साथ साझा करते हैं। ग्राहकों को सर्वोपरि रखने की अपनी सोच के तहत, कंपनी ऐसे डिजिटल लाभ भी मुहैया करा रही है, जो ग्राहकों को अपनों से जुड़े रहने, अपनी रचनात्मकता को अभिव्यक्ति देने और उन पलों को साझा करने में मदद करते हैं जो उनके लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं। इस त्यौहार के माहौल में एयरटेल ग्राहक एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम की मदद से सोशल मीडिया पर अपने जश्न को रचनात्मक अंदाज में साझा कर सकते हैं। जिन ग्राहकों ने अभी तक इस सुविधा का लाभ नहीं उठाया है, वे जनवरी 2027 तक एडोबी एक्सप्रेस प्रीमियम का फ्री एक्सेस एक्टिवेट कर सकते हैं। प्रीमियम टेम्पलेट्स, एआई-संचालित क्रिएटिव टूल्स, इमेजेज, फॉन्ट्स और डिजाइन एसेट्स की मदद से ग्राहक इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा करने के लिए आकर्षक उत्सवी कंटेंट तेजी से तैयार कर सकते हैं, जो सोशल मीडिया पर उन्हें अलग नजर आने में मदद करता है।

फोनपे और वीजा की पार्टनरशिप: लाखों भारतीयों को देश-विदेश में मिलेगी 'कार्डलेस पेमेंट' की सुविधा

मुंबई। फोनपे और वीजा ने ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (GFF) 2026 में अपनी रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है, जिसके तहत भारतीय ग्राहकों को देश और विदेश में अधिक आसान, सुरक्षित और कार्डलेस भुगतान का अनुभव मिलेगा। इस अवसर पर फोनपे के फाउंडर और CPTO राहुल चारी ने कहा, फोनपे में हमारा विजन हमेशा ऐसी टेक्नोलॉजी बनाना रहा है जो भुगतान को सभी के लिए आसान और सुरक्षित बनाए। वीजा के साथ यह साझेदारी उस विजन को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऑनलाइन टोकनाइजेशन, टैप टू पे और क्रॉस-बॉर्डर दफ भुगतान को एक साथ लाकर हम भारतीय ग्राहकों और छोटे व्यापारियों के लिए कार्डलेस और बॉर्डरलेस कॉमर्स का नया मानक स्थापित कर रहे हैं। इस साझेदारी के साथ फोनपे, वीजा की ऑनलाइन डिवाइस टोकनाइजेशन, टैप टू पे और क्रॉस-बॉर्डर स्कैन टू पे जैसी तीनों प्रमुख सेवाओं को एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने वाला देश का पहला ऐप बन गया है। साथ ही, यह अंतरराष्ट्रीय लेनदेन के लिए क्रॉस-बॉर्डर स्कैन टू पे सुविधा शुरू करने वाला पहला भारतीय ऐप भी है। टैप टू पे सुविधा के माध्यम से एंड्रॉइड उपयोगकर्ता अपने वीजा कार्ड को टोकनाइज कर POS मशीनों पर केवल मोबाइल टैप कर-के कॉन्टैक्टलेस भुगतान कर सकेंगे। वहीं, क्रॉस-बॉर्डर स्कैन टू पे फीचर के जरिए भारतीय यात्री सिंगापुर, मलेशिया, थाईलैंड, वियतनाम, इंडोनेशिया, श्रीलंका, जापान, चीन और दक्षिण कोरिया सहित 14 अंतरराष्ट्रीय बाजारों में वीजा समर्थित दफकोड स्कैन कर सीधे भुगतान कर सकेंगे। इसके अलावा, यूनिफाइड ऑनलाइन टोकनाइजेशन ग्राहकों को एक बार सेव करें, हर जगह इस्तेमाल करें जैसा सुरक्षित ऑनलाइन चेकआउट अनुभव देगा। वहीं, स्मार्ट एक्सेप्ट सुविधा छोटे व्यापारियों को बिना अलग POS मशीन खरीदे सीधे अपने स्मार्टफोन पर कार्ड भुगतान स्वीकार करने में सक्षम बनाएगी। वीजा के भारत और दक्षिण एशिया के ग्रुप कंट्री मैनेजर सुरेश सेठी ने कहा कि भारत वैश्विक डिजिटल भुगतान क्रांति में अग्रणी भूमिका निभा रहा है और फोनपे के साथ यह साझेदारी सुरक्षित, विश्वसनीय और सहज क्रॉस-बॉर्डर भुगतान अनुभव को और मजबूत करेगी।

16 सितंबर को खुलेगा हीरो मोटर्स लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई। हीरो मोटर्स लिमिटेड ने अपने पहले आईपीओ के लिए 10 फेस वैल्यू वाले प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड 79 से 84 तय किया है। कंपनी का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 16 सितंबर को खुलेगा और 18 सितंबर को बंद होगा। निवेशक कम से कम 178 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 178 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं। यह आईपीओ 600 करोड़ तक के नए इश्यू और प्रमोटरों - ड ढ मुंजाल होल्डिंग्स और हीरो साइकिल्स लिमिटेड द्वारा 400 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों की बिक्री के प्रस्ताव (ऑफर-फॉर-सेल) का मिश्रण है।

नए इश्यू से मिलने वाली 190 करोड़ की राशि का इस्तेमाल कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया कर्जों के पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/प्रीपेमेंट/रिडेम्पशन के लिए किया जाएगा। 200 करोड़ का इस्तेमाल कंपनी की क्षमता विस्तार (उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर स्थित सुविधा केंद्र में) के लिए जरूरी उपकरण खरीदने, अज्ञात अधिग्रहणों और अन्य रणनीतिक पहलों के जरिए इनऑर्गेनिक ग्रोथ को फंड करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह कंपनी भारत की प्रमुख ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कंपनियों में से एक है, जो अमेरिका, यूरोप, भारत और अरएअठ क्षेत्र में ऑटोमोटिव ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स के लिए हाई-इंजीनियर्ड पावरट्रेन समाधानों को डिजाइन, विकसित, निर्मित और सप्लाई करती है। यह कंपनी पूरी तरह से इंटीग्रेटेड पावरट्रेन सिस्टम प्रदाता है, जो इलेक्ट्रिक और नॉन-इलेक्ट्रिक दोनों तरह के पावरट्रेन के लिए सिस्टम-लेवल और कंपोनेंट-लेवल पावरट्रेन समाधानों को डिजाइन, प्रोटोटाइप, वैलिडेट, विकसित और डिलीवर करने जैसी व्यापक सेवाएं प्रदान करती है। इसके उत्पादों का इस्तेमाल टू-व्हीलर्स, परफॉर्मेंस ऑटोमोटिव, ई-बाइक, ऑफ-रोड वाहनों, इलेक्ट्रिक और हाइब्रिड कारों, हेवी-ड्यूटी वाहनों और इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ एंड लैंडिंग कैटेगरी में किया जाता है।

एसएस रिटेल लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा 16 सितंबर से

प्राइस बैंड 403 से 424 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय, प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य 10 रुपये

मुंबई। एसएस रिटेल लिमिटेड (कंपनी या एसएस रिटेल) ने अपने इक्विटी शेयरों के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की घोषणा की है। यह ऑफर कुल 3,600.00 मिलियन रुपये तक के नए इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू और 1,400.00 मिलियन रुपये तक के इक्विटी शेयरों के ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) का संयोजन है। ओएफएस के तहत प्रमोटर सेलिंग शेयरधारक सिद्धार्थ गुणवंत शाह, दीपा सिद्धार्थ शाह, हर्षल किशोर पारेख और भाविनी हर्षल पारेख तथा अन्य सेलिंग शेयरधारक राखी नरेंद्र फिरोदिया अपने शेयर बेचेंगे। एसएस रिटेल मोबाइल फोन, एक्सेसरीज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की मल्टी-ब्रांड रिटेल चेन है। कंपनी की गतिविधियां पांच राज्यों—महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, गोवा और गुजरात—में हैं। गुजरात में कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 से कारोबार शुरू किया है। कंपनी मेट्रो, मिनी-मेट्रो, टियर-1, टियर-2 और टियर-3 तथा उससे छोटे शहरों समेत विभिन्न श्रेणी के शहरों में कई उत्पाद श्रेणियों का कारोबार करती है। हालांकि, कंपनी का मुख्य फोकस टियर-2 तथा टियर-3 और उससे छोटे शहरों में मोबाइल फोन और एक्सेसरीज की खुदरा बिक्री पर रहा है। 31 मार्च 2026 तक कंपनी के भारत में 503 स्टोर थे, जिनमें से 458 महाराष्ट्र में थे। नॉलेज कंपनी रिपोर्ट के अनुसार, इससे एसएस रिटेल पश्चिम भारत (गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव) तथा महाराष्ट्र में सबसे बड़ी मोबाइल फोन रिटेल चेन और देश में अपने प्रतिस्पर्धियों के बीच तीसरी सबसे बड़ी मोबाइल फोन रिटेल चेन बन गई है। कंपनी ने पिछले कुछ वर्षों में अपने कारोबार का तेजी से विस्तार किया है। 31 मार्च 2024 को 109 शहरों में 236 स्टोर थे, जो बढ़कर 31 मार्च 2026 तक 215 शहरों में 503 स्टोर हो गए। इस दौरान स्टोर की संख्या में 45.99% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) रही। नॉलेज कंपनी रिपोर्ट के अनुसार, यह कंपनी को सबसे तेजी से बढ़ने वाली मोबाइल रिटेल चेन में शामिल करता है। यह वृद्धि दर प्रतिस्पर्धियों में दूसरी सबसे अधिक है और इसी अवधि में प्रतिस्पर्धियों की 19.29% की औसत वृद्धि दर से करीब 2.4 गुना है।

कंपनी मुख्य रूप से तीन ब्रांड—एसएस मोबाइल, मोबाइल एक्सचेंज वाला और द मोबाइल स्पेस—के माध्यम से कारोबार करती है। वित्त वर्ष 2026 के दौरान कंपनी ने ओलिनियो नेक्सस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (ओलिनियो) में 51.04% हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। ओलिनियो भी इसी तरह के कारोबार में है। 31 मार्च 2026 तक ओलिनियो के 34 स्टोर थे और ये सभी महाराष्ट्र में संचालित हो रहे थे।

एंकर निवेशकों को छोड़कर सभी निवेशकों के लिए एएसबीए प्रक्रिया के जरिए आवेदन करना अनिवार्य होगा। निवेशकों को अपने बैंक खाते का विवरण देना होगा।

मानखुर्द पुलिस की जांच से दो गंभीर मामलों में दोषसिद्धि, आरोपियों को सुनाई गई सजा

मुंबई। मानखुर्द पुलिस द्वारा की गई प्रभावी जांच, न्यायालय में मजबूत सबूत पेश करने और सरकारी अभियोजकों के साथ बेहतर समन्वय के चलते दो गंभीर आपराधिक मामलों में आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई है।

मानखुर्द पुलिस स्टेशन में छेड़छाड़ और धारदार हथियार से हमला करने के दो गंभीर मामले दर्ज थे। इन मामलों में जांच अधिकारियों, कोर्ट अमलदारों तथा समन्स-वॉरंट टीम ने प्रभावी ढंग से कार्य करते हुए सरकारी अभियोजकों के साथ उचित समन्वय स्थापित किया और आरोपियों के खिलाफ ठोस साक्ष्य न्यायालय के समक्ष पेश किए। इसके परिणामस्वरूप कुर्ला कोर्ट-2 के प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी ने दोनों मामलों में आरोपियों को दोषी ठहराकर सजा सुनाई। पहला मामला महिला के साथ छेड़छाड़ का है। 1 जून 2013 को शाम करीब साढ़े पांच बजे मामूली विवाद के बाद आरोपी ने शिकायतकर्ता के घर में प्रवेश कर उसके साथ छेड़छाड़ की थी। आरोपी ने शिकायतकर्ता के पति के साथ मारपीट और गाली-गलौज भी की थी। इस मामले में आरोपी छोटेलाल कतवारू गुप्ता को न्यायालय ने भारतीय दंड विधान की धारा 354 सह धारा 34 के तहत दो वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। इसके अलावा धारा 452 के तहत दो वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये जुमार्ने, जबकि धारा 323 के तहत तीन महीने के कारावास और 10 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई गई।

दूसरा मामला धारदार हथियार से हमला करने का है। 1 अक्टूबर 2017 को तड़के करीब पौने दो बजे मोटरसाइकिल पार्किंग को लेकर हुए विवाद की रंजिश में आरोपियों ने शिकायतकर्ता के साथ गाली-गलौज की और धारदार हथियार से उसके पेट तथा कमर पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। इस मामले में आरोपी शंकर मोतीराम सोनटक्के और विशाल प्रभाकर दलवी को न्यायालय ने भारतीय दंड विधान की धारा 324 सह धारा 34 के तहत छह महीने के सश्रम कारावास और एक हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनाई। वहीं धारा 323 के तहत दोनों आरोपियों को एक महीने के कारावास और एक हजार रुपये जुमार्ने की सजा भी सुनाई गई। यह कार्रवाई पूर्व प्रादेशिक विभाग के अपर पुलिस आयुक्त धनंजय कुलकर्णी, पूर्व परिमंडल-1 के पुलिस उपायुक्त समीर शेख, सहायक पुलिस आयुक्त प्रमोद कोकाटे तथा वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बिलाल शेख के मार्गदर्शन में की गई। इस सफल जांच और न्यायालयीन कार्रवाई में अमलदार हनमंत ओऊळकर, अधिकारी सुरेश वसेकर, राजेश सोनवणे, अमलदार मेटकरी, महिला पुलिस सरगर, अमलदार सुनील पाटील, कणसे, महिला पुलिस रुपाली पाटील, सिपाही महेश मढवी और चव्हाण सहित अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अल्केम ने हेयर ग्रोथ सीरम 'रेनोसिया एक्सो' लॉन्च किया

मुंबई। अल्केम लेबोरेटरीज लिमिटेड ने आज रेनोसिया एक्सोट्ट लॉन्च करने की घोषणा की। यह नेक्स्ट-जेनरेशन हेयर रीजेनरेशन थेरेपी है, जिसे एक व्यापक वैज्ञानिक तरीके से हेयर फॉलिकल की हेल्थ और वाइटैलिटी को सपोर्ट करने के लिए विकसित किया गया है। भारत में हेयर लॉस सबसे तेजी से बढ़ रही डमेटीलॉजिकल समस्याओं में से एक बन गया है। इसका असर सिर्फ बढ़ती उम्र के लोगों पर ही नहीं, बल्कि कम उम्र के लोगों पर भी बढ़ रहा है। जेनेटिक्स, लाइफस्टाइल में बदलाव, एनवायरनमेंटल स्ट्रेसर्स और बदलते हेल्थ पैटर्न इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में हेयर लॉस के ट्रीटमेंट ऑप्शंस बढ़े हैं, लेकिन इनमें से कई हेयर ग्रोथ साइकिल के एक सीमित हिस्से पर ही फोकस करते हैं, जबकि हेयर लॉस को अब कई बायोलॉजिकल प्रोसेसेज की जटिल आपसी क्रिया से पैदा होने वाली समस्या माना जाता है। इस लॉन्च पर अल्केम के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप सिंह ने कहा, पिछले एक दशक में हेयर रिस्टोरेशन की साइंस काफी विकसित हुई है और यह समझ भी बेहतर हुई है कि प्रोग्रेसिव हेयर थिनिंग के पीछे क्या कारण हैं। हेयर थिनिंग फॉलिक्युलर मिनिएचराइजेशन, अल्टर्ड सेलुलर सिग्नलिंग, ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, इन्फ्लेमेशन और फॉलिक्युलर माइक्रोएनवायरनमेंट में बदलाव जैसी कई बायोलॉजिकल प्रोसेसेज से प्रभावित होती है। इस बदलती समझ के साथ उतने ही एडवांस्ड थेराप्यूटिक सॉल्यूशंस की जरूरत है। रेनोसिया एक्सोट्ट में हमने कई रीजेनरेटिव टेक्नोलॉजीज को एक सिंगल डेली थेरेपी में साथ लाया है, जो हेयर फॉलिकल की बायोलॉजी को सपोर्ट करती है।

सरकार और उद्योग के ध्यान केंद्रित करने के साथ मुंबई में आईफैट इंडिया 2026 का शुभारंभ

मुंबई। सीवेज, ठोस कचरा प्रबंधन और रिसाइक्लिंग समाधानों के लिए देश की सबसे बड़ी व्यापार प्रदर्शनी, आईफैट इंडिया के 13वें संस्करण का उद्घाटन आज बॉम्बे एग्जीबिशन सेंटर मुंबई में हुआ। उद्घाटन समारोह में श्रीमती अग्निमित्रा पॉल (माननीय प्रभारी मंत्री, नगर विकास और नगर पालिका मामले, पश्चिम बंगाल सरकार), श्रीमती ईशा कालिया, कअर (संयुक्त सचिव एवं मिशन निदेशक - NULM व PM स्वनिधि, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय) तथा राज्य सरकारों, नगर निकायों, राजनयिक मिशनों, पेशेवर संगठनों, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क और पर्यावरण प्रौद्योगिकी उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। 9 से 11 सितंबर तक चलने वाला तीन दिवसीय कार्यक्रम आईफैट इंडिया 2026, जल सुरक्षा, अपशिष्ट जल प्रबंधन, स्वच्छता, नगर निगम के ठोस कचरे, रिसाइक्लिंग और चक्रीय संसाधन प्रबंधन (सर्कुलर रिसोर्स मैनेजमेंट) के आसपास चर्चा, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनियों और उद्योग-सरकार के जुड़ाव के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह कार्यक्रम सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के निर्णयकताओं को समाधानों का आकलन करने, दृष्टिकोणों की तुलना करने और जल व अपशिष्ट मूल्य श्रृंखलाओं से जुड़ी परियोजनाओं के लिए साझेदारियां बनाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

भूपिंदर सिंह (अध्यक्ष IMEA, मेस्से मुंचेन जीएमबीएच, और सीईओ, मेस्से मुंचेन इंडिया) ने कहा, भारत के पर्यावरण संबंधी बुनियादी ढांचे को ऐसे समाधानों की आवश्यकता है जो बड़े पैमाने पर विश्वसनीय रूप से काम कर सकें। आईफैट इंडिया इन समाधानों का मूल्यांकन करने, कार्यान्वयन के अनुभवों का आदान-प्रदान करने और जल व अपशिष्ट क्षेत्रों की परियोजनाओं के लिए साझेदारी का निर्माण करने हेतु सार्वजनिक प्राधिकरणों, उद्योग और प्रौद्योगिकी प्रदाताओं को एक साथ जोड़ता है।

श्रीमती अग्निमित्रा पॉल (माननीय प्रभारी मंत्री, नगर विकास और नगर पालिका मामले, पश्चिम बंगाल सरकार) ने कहा, आईफैट इंडिया ने हमें भारत और दुनिया भर से ठोस कचरा और अपशिष्ट जल प्रबंधन में नई तकनीकों की खोज करने और सर्वोत्तम प्रथाओं को समझने का एक उत्कृष्ट अवसर दिया है। श्रीमती ईशा कालिया, कअर (संयुक्त सचिव और मिशन निदेशक - NULM एवं PM स्वनिधि, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय) ने कहा, एक ही छत के नीचे जल, अपशिष्ट जल, पंप, नेटवर्क और कीचड़ (स्लज) प्रबंधन से जुड़ी तकनीकों और नवाचारों के साथ, आईफैट इंडिया में समझने और तलाशने के लिए बहुत कुछ है।

भारथक्लाउड और आइबेंटोस ने ब्रांड मार्केटिंग एवं इवेंट टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

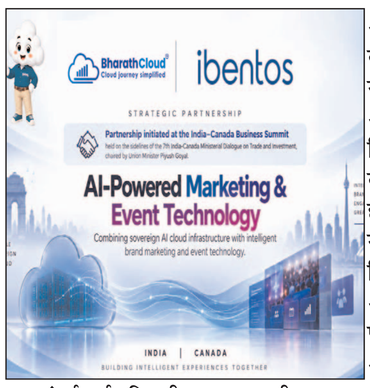

मुंबई/नई दिल्ली। भारत की सॉवरेन एआई क्लाउड सेवा प्रदाता भारथक्लाउड ने भविष्य की ब्रांड मार्केटिंग पहलों और इवेंट टेक्नोलॉजी के लिए उत्तरी अमेरिका और भारत में परिचालन करने वाली एआई-संचालित प्रौद्योगिकी कंपनी आइबेंटोस के साथ साझेदारी की है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल की अध्यक्षता में आयोजित सातवें भारत-कनाडा व्यापार एवं निवेश मंत्रिस्तरीय संवाद के अवसर पर हाल में आयोजित भारत-कनाडा बिजनेस समिट में दोनों व्यावसायिक संस्थाओं के बीच हुई चचाओं के बाद इस साझेदारी को औपचारिक रूप दिया गया। यह साझेदारी आइबेंटोस के एआई-संचालित प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अपनी ब्रांड मार्केटिंग, इवेंट टेक क्षमताओं और ग्राहक जुड़ाव को मजबूत करने की भारथक्लाउड की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। यह ऐसे समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब एमएसएमई भारत की GDP में 31.1% का योगदान करते हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, मंत्रियों ने वस्तुओं और सेवाओं के द्विपक्षीय व्यापार में मजबूत वृद्धि का उल्लेख किया, जो 2024 में 23.66 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें वस्तु व्यापार का मूल्य लगभग 8.98 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10% की उल्लेखनीय वृद्धि है। मंत्रियों ने भारत-कनाडा आर्थिक साझेदारी की मजबूती और लचीलेपन की पुनः पुष्टि की तथा व्यापार और निवेश के नए अवसर खोलने के लिए निजी क्षेत्र के साथ निरंतर जुड़ाव के महत्व पर जोर दिया। भारथक्लाउड अपने स्वयं के ऑन-ब्रांड मार्केटिंग अभियानों को कुशलतापूर्वक और बड़े पैमाने पर तैयार एवं प्रबंधित करने के लिए एआई-संचालित मार्केटिंग प्लेटफॉर्म आइबेंटोस हाइप का भी उपयोग करेगी, साथ ही अपने ग्राहकों को यही एआई-संचालित ब्रांड मार्केटिंग क्षमताएं प्रदान करने के अवसर तलाशेगी।

डॉ. वी. मोहन को फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी का प्रतिष्ठित नेतृत्व पुरस्कार

मुंबई। प्रसिद्ध मधुमेह विशेषज्ञ एवं शोधकर्ता डॉ. वी. मोहन, चेयरमैन, डॉ. मोहन डायबिटीज स्पेशलिटीज सेंटर एवं मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई, को फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, मियामी, अमेरिका द्वारा प्रतिष्ठित डॉ. हर्बर्ट एंड निकोल वर्टहाइम लीडरशिप अवॉर्ड इन हेल्थकेयर एंड मेडिसिन से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार उन्हें 8 सितंबर 2026 को मधुमेह अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा तथा मधुमेह उपचार में सटीक एवं व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह सम्मान मधुमेह अनुसंधान, चिकित्सकीय देखभाल और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में डॉ. मोहन के दशकों लंबे योगदान तथा मधुमेह की बेहतर समझ और प्रबंधन को आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व को मान्यता देता है। इस अवसर पर डॉ. मोहन के व्याख्यान का प्रमुख विषय एशियाई भारतीयों और दक्षिण एशियाई आबादी के लिए प्रिसीजन डायबिटीज की प्रासंगिकता रहा। उन्होंने भारतीयों और दक्षिण एशियाई लोगों में मधुमेह की विशिष्ट विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कई अन्य आबादी की तुलना में भारतीयों और दक्षिण एशियाई लोगों में कम उम्र में और अपेक्षाकृत कम मोटापे के स्तर पर भी मधुमेह विकसित हो सकता है। डॉ. मोहन ने वैश्विक स्तर पर मधुमेह की समझ विकसित करने में भारतीय मधुमेह अनुसंधान के महत्वपूर्ण योगदान को भी रेखांकित किया। भारत में मधुमेह महामारी विज्ञान, आनुवंशिकी, मेटाबोलिक फेनोटाइपिंग और मधुमेह संबंधी जटिलताओं पर उनके व्यापक शोध ने एशियाई भारतीयों में मधुमेह की विशिष्ट प्रकृति तथा अलग-अलग व्यक्तियों और आबादी के समूहों में देखे जाने वाले अंतर को समझने में महत्वपूर्ण मदद की है। फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा प्रदान किया गया डॉ. हर्बर्ट एंड निकोल वर्टहाइम लीडरशिप अवॉर्ड इन हेल्थकेयर एंड मेडिसिन डॉ. मोहन के मधुमेह अनुसंधान, स्वास्थ्य सेवा और मधुमेह उपचार में सटीक एवं व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में उनके उत्कृष्ट योगदान की एक और महत्वपूर्ण मान्यता है।

कालीन उद्योग की नई बुनावट, योगी से कालीन नीति की मांग

-सुरेश गांधी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कालीन उद्योग को नई उड़ान देने के लिए अब अलग कालीन नीति बनाने की मांग उठी है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय यूपी टेक्सटाइल कॉन्क्लेव-2026 में कालीन निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष कैप्टन मुकेश कुमार गोम्बर और उपाध्यक्ष असलम महबूब ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष यह मांग रखी। उन्होंने कहा कि समर्पित नीति से प्रदेश के कालीन उद्योग को नीतिगत एवं संस्थागत सहयोग मिलने के साथ निर्यात, रोजगार और कारीगरों की आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

राउंड-टेबल बैठक में असलम महबूब ने कालीन उद्योग के लिए आधारभूत ढांचे, क्लस्टर विकास, डिजाइन व तकनीकी उन्नयन, गुणवत्ता सुधार, कौशल प्रशिक्षण, विपणन सहायता और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंच को नीति का हिस्सा बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि घटते कारीगरों और बुनकरों को रोकने के लिए उनके लिए बेहतर सुविधाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना जरूरी है। दूसरे दिन शिल्प से वैश्विक बाजार तक विषयक पैनल चर्चा में भी महबूब ने हस्तनिर्मित कालीन बनाने वाले कारीगरों को निर्धारित दर पर पावरलूम के तहत बिजली उपलब्ध कराने तथा नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए स्किल डेवलपमेंट और डिजाइन ट्रेनिंग की जरूरत बताई। उन्होंने कारीगरों को रोजगार, प्रशिक्षण और बीमा जैसी सुविधाओं से जोड़ने पर भी बल दिया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री गिरीश चंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई चर्चा में ई-कॉमर्स, जीआई आधारित ब्रांडिंग, गुणवत्ता प्रमाणन, आधुनिक डिजाइन, बेहतर पैकेजिंग और कॉमन फैसिलिटी सेंटर के जरिए प्रदेश के हस्तशिल्प को वैश्विक बाजार से जोड़ने पर मंथन हुआ। परिषद ने कहा कि समर्पित कालीन नीति से कारीगर से वैश्विक बाजार तक पूरी मूल्य श्रृंखला मजबूत होगी और यूपी की कालीन विरासत को दुनिया में नई पहचान मिलेगी।

हिना खान ने पहले करवा चौथ की यादें साझा की

पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के आगामी एपिसोड इंडिया वाला डांस में कंटेस्टेंट प्रिंस और गीतांजलि चांद छुपा बादल में पर भावपूर्ण प्रस्तुति देंगे। उनकी परफॉर्मेंस देखकर गेस्ट हिना खान अपने पति रॉकी जायसवाल के साथ मनाए गए पहले करवा चौथ की यादों में खो जाएंगी। हिना खान ने कहा कि प्रतियोगियों ने करवा चौथ की भावनाओं, संस्कृति और परंपरा को बेहद खूबसूरती से मंच पर प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अपने पहले करवा चौथ पर रॉकी ने भी उनकी लंबी उम्र के लिए व्रत रखा था। हिना के अनुसार, रॉकी का मानना है कि करवा चौथ सिर्फ महिलाओं को ही नहीं, बल्कि पतियों को भी अपनी पत्नियों के लिए रखना चाहिए। प्रिंस और गीतांजलि की जोड़ी को दो जिस्म, एक जान बताते हुए हिना ने कहा कि उनकी प्रस्तुति ने उन्हें अपने पहले करवा चौथ के दौरान महसूस की गई भावनाओं को दोबारा जीने का मौका दिया।